सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-257
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 22 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सुविचार

हम जो भी है वो हमारे कर्मो का फल है।

इंदौर जाने की जरूरत नहीं, उज्जैन में ही मिलेगा काम

सीएम डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में 46 करोड़ से बनने वाले आईटी पार्क के लिए किया भूमिपूजन

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को उज्जैन में 46 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले आईटी पार्क का भूमि पूजन किया। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के समीप इंदौर रोड पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि आईटी पार्क के माध्यम से एक हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। व्यवसायिक स्तर की संभावना बढ़ेगी। आईटी पार्क के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं पहुंचे थे। सीएस राघवेंद्र सिंह ने मंच से नई बनने वाली बिल्डिंग की जानकारी दी। जिसके बाद सीएम ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। सीएम ने बदलते दौर के भारत की बात कही। सीएम ने कहा कि उज्जैन में आईटी पार्क बनने से आने वाले समय में काम के लिए अन्य शहर या राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। पूना बेंगलुरू और विदेशों तक छात्र जाते हैं लेकिन अब तो इंदौर जाने की भी जरूरत नहीं उज्जैन में ही रोजगार मिल सकेगा।

भारत ने हमेशा विश्व को रास्ता दिखाया

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव डोंगला वराह मिहिर वेधशाला में आयोजित खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उज्जैन के एनआईसी कक्ष में वीसी के माध्यम से जुड़े। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान का उद्गम स्थल रहा है। भारत ने हमेशा विश्व को रास्ता दिखाया है, प्राचीन काल से ही भारत देश ने विश्व गुरु की भूमिका निभाई है।

कई कंपनियों और स्टार्टअप को जगह दी जाएगी

उज्जैन के इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर जल्द ही आईटी पार्क बनेगा। भूमि पूजन के बाद इसका कार्य शुरू हो जाएगा। पहले चरण में 46 करोड़ रुपए में आईटी पार्क का निर्माण मध्य प्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉपोरेशन (एमपीआईडीसी) के माध्यम से होगा। एमपीआईडीसी के निदेशक राजेश राठौर ने बताया कि इसे दो चरणों में बनाया जाएगा। इसमें कई कंपनियों और स्टार्टअप को जगह दी जाएगी। आईटी पार्क की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर टेंडर भी हो चुका है। जल्द ही सात मंजिला आईटी पार्क में इन्क्यूबेशन सेंटर, रिसर्च सेंटर, आईटी कंपनियों के लिए और स्टार्टअप करने वालों के लिए जगह होगी, जिससे कई युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने और नौकरियों के अवसर मिल सकेंगे।

2.161 हेक्टेयर जमीन पर बनेगा आईटी पार्क

एमपीआईडीसी के राजेश राठौर ने बताया कि हम इस आईटी पार्क में टेक कंपनियों और स्टार्टअप को सभी प्रकार की एडवांस सुविधाएं प्रदान करेंगे। यह उज्जैन का पहला आईटी पार्क होगा। सरकार का इस बात पर जोर है कि स्थानीय युवाओं को इसमें प्राथमिकता दी जाए। आईटी पार्क से उज्जैन में औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। आईटी पार्क 2.161 हेक्टेयर जमीन पर बनेगा। इसमें 11239 वर्ग मीटर में बिल्डिंग बनेगी, जिसकी ऊंचाई 31.7 मीटर होगी। हर फ्लोर पर टॉयलेट, कैफेटेरिया, ड्रिंकिंग वाटर, लिफ्ट और ऑफिस के लिए हाईटेक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर 59 कार पार्किंग की व्यवस्था होगी।

अब युवा उद्यमियों के पैरों में गति और हाथों में शक्ति

हमारे देश के युवाओं के भविष्य की तरफ बढ़ते हुए कदम देश को विकास के पथ पर तेज गति से आगे ले जा रहे हैं। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरकार के द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। निवेश और स्टार्टअप को सरकार के द्वारा लगातार प्रोत्साहन देकर मदद की जा रही है। हम विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था हैं तथा तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर रोड स्थित अंजुश्री होटल में आयोजित यंग एंटरप्रेन्योर समिट 2024 में युवा उद्यमियों को संबोधित करते हुए कही।

संसद धक्का-मुक्की कांड की जांच करेगी क्राइम ब्रांच, बनाई एसआईटी

राहुल की बढ़ सकती है मुश्किल, जांच के लिए भेजा जा सकता है नोटिस

नई दिल्ली। संसद में गुरुवार को हुए हंगामे और धक्का मुक्की कांड के बाद बीजेपी और कांग्रेस की शिकायतों की जांच पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन से दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को सौंपी गई है। बीजेपी की शिकायत पर लोकसभा नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। संसद में हुए धक्का मुक्की कांड में बीजेपी के दो सांसदों को चोट लग गई है और उनका दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में इलाज चल रहा है। संसद धक्कामुक्की कांड की जांच करने के लिए क्राइम ब्रांच के सात सदस्यों की टीम का गठन किया जाएगा। क्राइम ब्रांच की इस एसआईटी की टीम में 2 एसीपी, 2 इंस्पेक्टर और 3 सब इंस्पेक्टर होंगे शामिल जो सीधे डीसीपी को रिपोर्ट करेंगे।

इस मामले की जांच में 2 एसीपी को एसआईटी में इसलिए शामिल किया गया है कि क्योंकि मामला पॉलिटिकली हाई प्रोफाइल है। बता दें कि क्राइम ब्रांच को राहुल गांधी से जुड़े मामले की एफआईआर, इन्वेस्टिगेशन कॉपी अभी तक हैंडओवर नहीं की गई है। जल्द ही इस प्रोसेस को पूरा किया जाएगा और जांच की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सूत्रों की मानें तो इस घटना को लेकर पार्लियामेंट एडमिनिस्ट्रेशन को सीसीटीवी फुटेज के लिए लेटर लिखा जाएगा. क्योंकि इस घटना से जुड़ी जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज बहुत महत्वपूर्ण है। बता दें कि बीजेपी ने अपनी शिकायत में सीधे राहुल गांधी पर आरोप लगाया है, जो एक विपक्ष नेता हैं। ऐसे में प्रोटोकॉल को देखते हुए, सीसीटीवी फुटेज, मौके पर मौजूद मोबाइल फुटेज , टछ्ठ रिपोर्ट काफी अहम माने जाते हैं। लेकिन इस सबसे पहले क्राइम ब्रांच द्वारा मौके पर मौजूद चश्मदीदों और घायल सांसदों के बयान दर्ज किए जाएंगे और इसके बाद क्राइम ब्रांच की एसआईटी राहुल गांधी को जांच के लिए नोटिस भेज सकती है। यह पूरा विवाद संसद में अमित शाह के भाषण के दौरान खड़ा हुआ था। जब कांग्रेस द्वारा बार-बार बाबासाहेब अंबेडकर का नाम लिए जाने पर टिप्पणी की गई। इस बात पर गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर अंबेडकर का नाम राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उसके बाद से कांग्रेस ने गृह मंत्री पर अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया और संसद में हंगामा शुरू हो गया। इस दौरान हुई धक्का मुक्की में बीजेपी के सांसद प्रताप सारंगी (बालासोर) और सांसद मुकेश राजपूत (फर्रुखाबाद) घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

ब्राजील में बस और ट्रक की भिड़ंत में 22 यात्रियों की मौत

ब्रासीलिया। ब्राजील के मिनास गेराइस राज्य में शनिवार सुबह बस और ट्रक के बीच हुई टक्कर में 22 लोगों की मौत हो गई। वहीं 13 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब बस का टायर फटने के कारण चालक ने नियंत्रण खो दिया और बस ट्रक से टकरा गई। दुर्घटना के बाद, 13 अन्य घायलों को अस्पताल भेजा गया, जिनमें से सभी का इलाज पास के शहर टेओफिलो ओटोनि के अस्पतालों में चल रहा है। बताया जा रहा है कि बस साओ पाउलो से चली थी और उसमें 45 यात्री सवार थे। अधिकारियों ने कहा कि बस का टायर फट गया, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा और एक ट्रक से टकरा गई। अग्निशमन विभाग के अनुसार, तीन यात्रियों वाली एक कार भी बस से टकरा गई, लेकिन तीनों बच गए। अग्निशमन विभाग के लेफ्टिनेंट अलोंसो ने कहा, बचाव दल दुर्घटनास्थल पर काम कर रहे हैं और अभी भी और पीड़ितों को निकाला जाना बाकी है।

पाकिस्तान में आतंकियों के हमले में 16 सैनिकों की मौत, आठ घायल

इस्लामाबाद। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक सुरक्षा चेक पोस्ट पर शनिवार तड़के आतंकवादियों ने हमला कर दिया। इस हमले में 16 सैनिक मारे गए और आठ घायल हो गए। सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे दक्षिण वजीरिस्तान जिले के मकीन में लिटा सार चेक पोस्ट पर हमला किया था। बता दें कि यह पिछले कुछ महीनों में सुरक्षा बलों पर हुए सबसे बड़े हमलों में से एक है। यह हमला पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की तरफ से सारारोघा इलाके में चलाए गए एक गुप्त अभियान में दो आतंकियों को मारने के कुछ दिन बाद हुआ। दक्षिण वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना एक दशक से अधिक समय से प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से लड़ रही है।

कुवैत में बोले पीएम मोदी- नए मिजाज के साथ आगे बढ़ रहा देश

दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी इकोनॉमी बना भारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कुवैत पहुंचकर यहां सामुदायिक कार्यक्रम 'हाला मोदी' को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि चार दशक से भी ज्यादा समय यानी 43 साल बाद भारत का कोई प्रधानमंत्री कुवैत आया है। हिंदुस्तान से यहां आने में 4 घंटे लगते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री को यहां आने में 4 दशक लग गए। पीएम मोदी ने कहा- भारत दुनिया के उन पहले देशों में से एक है, जिसने कुवैत की स्वतंत्रता के बाद उसे मान्यता दी थी। इसलिए जिस देश से, जिस समाज से इतनी सारी यादें जुड़ी हैं, वहां आना मेरे लिए बहुत यादगार है। मैं कुवैत के लोगों और यहां की सरकार का बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा कि भारत और कुवैत का रिश्ता सभ्यताओं का है, सागर का है और व्यापार-कारोबार का है। भारत और कुवैत, अरब सागर के दो किनारों पर बसे हैं। हमें सिर्फ डिप्लोमेसी ने ही नहीं, बल्कि दिलों ने आपस में जोड़ा है। हमारा वर्तमान ही नहीं, बल्कि हमारा अतीत भी हमें जोड़ता है। भारत को जरूरत पड़ी तो कुवैत ने की ऑक्सीजन की सप्लाई पीएम मोदी ने कहा, जब भारत को सबसे ज्यादा जरूरत पड़ी, तो कुवैत ने हिंदुस्तान को लिक्विड ऑक्सीजन की सप्लाई दी। हिज हाईनेस द क्राउन प्रिंस ने खुद आगे आकर सबको तेजी से काम करने के लिए प्रेरित किया। मुझे संतोष है कि भारत ने भी कुवैत को वैक्सीन और मेडिकल टीम भेजकर इस संकट से लड़ने का साहस दिया।

तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम भारत में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा आज का भारत एक नए मिजाज के साथ आगे बढ़ रहा है। आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकोनॉमी है। आज दुनिया का नंबर वन फिनटेक इकोसिस्टम भारत में है। आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम भारत में है। आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता देश है। भविष्य का भारत दुनिया के विकास का हब होगा, दुनिया का ग्रोथ इंजन होगा।

रामायण-महाभारत के अनुवादक-पब्लिशर से मिले मोदी, बुक पर दिया ऑटोग्राफ

कुवैत में पीएम नरेंद्र मोदी वहां ऐसी दो शख्सियतों से मिले हैं, जिन्होंने हिंदू धर्म ग्रंथ रामायण और महाभारत का अरबी भाषा में अनुवाद और किताब का प्रकाशन किया है। इस दौरान पीएम मोदी ने कुवैत सिटी में रामायण और महाभारत को अरबी भाषा में प्रकाशित करने वाले अब्दुल लतीफ अलनेस और अनुवाद करने वाले अब्दुल्ला बैरन से मुलाकात की। मोदी ने अरबी भाषा में प्रकाशित रामायण और महाभारत बुक पर अपना ऑटोग्राफ भी दिया। मोदी ने रामायण और महाभारत का अरबी भाषा में प्रकाशित करने वाले अब्दुल लतीफ और अनुवाद करने वाले अब्दुल्ला बैरन के कार्य की सराहना भी की।

मूवी हाल में पॉपकॉर्न के फ्लेवर से भी तय होगा दर्शकों का खर्च

जीएसटी काउंसिल के बड़े फैसले : इलेक्ट्रिक व्हीकल्स समेत पुराने वाहनों की बिक्री पर टैक्स में इजाफा

जैसलमेर। जीएसटी काउंसिल की शनिवार को जैसलेमेर में हुई 55वीं बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) समेत पुराने वाहनों की बिक्री पर टैक्स में इजाफा किए जाने पर सहमति बनी है। इसके अलावा नई जीएटी दरें मूवी के शौकीन लोगों की जेब पर बोझ बढ़ा सकती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक थिएटर हाल में अब मूवी के साथ पॉपकॉर्न का मजा खर्चीला साबित हो सकता है। जीएसटी काउंसिल की बैठक को लेकर सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मूवी हॉल और थिएटर में नमक और मसाले वाला खाने के लिए तैयार पॉपकॉर्न पर 5 फीसदी की दर से जीएसटी लगेगी। हालांकि आमतौर पर बाहर थिएटर में जाकर मूवी देखने के शौकीन इसका मजा पॉपकॉर्न के साथ उठाते हैं। लेकिन मूवी हाल में दर्शकों का खर्च पॉपकॉर्न के फ्लेवर से भी तय होगा।

लाई जाएगी नई पंजीकरण प्रक्रिया

जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक को लेकर एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि मूवी हॉल और थिएटर में नमक और मसाले वाला खाने पर 5 फीसदी की दर से जीएसटी लागू की जाएगी। हालांकि जीएसटी तभी लगेगी, जब यह डिब्बाबंद नहीं है। वहीं जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, छोटी कंपनियों को पंजीकरण में विभिन्न प्रकार के सत्यापन के साथ समस्याएं आती हैं, हमने एक अवधारणा नोट तैयार किया है और इसे जीएसटी परिषद की मंजूरी मिल गई है। यह एक नई पंजीकरण प्रक्रिया लाएगा जो सुनिश्चित करेगी छोटी कंपनियों के सुचारू पंजीकरण, ई-कॉमर्स के माध्यम से खाद्य वितरण पर व्यापक रूप से चर्चा हुई। लेकिन इस पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

400 प्लॉट-फ्लैट की हुई बुकिंग और आवंटन

आवास मेले में पहले दिन ही हुए 14 हजार से अधिक पंजीयन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा आवासहीनों के लिए अभिनव पहल करते हुए दो दिवसीय विशाल आवास मेला लालबाग में लगाया गया है। इस आवास मेले का शनिवार को शुभारंभ किया गया। मेले के पहले दिन ही बेहतर प्रतिसाद मिला। 14 हजार से अधिक लोगों ने अपना पंजीयन कराया है। लगभग 400 प्लाट/फ्लैट की बुकिंग और आवंटन भी पहले दिन ही किया गया। यह मेला जनकल्याण अभियान और सुशासन सप्ताह के चलते आयोजित किया जा रहा है।

कलेक्टर आशीष सिंह ने इस मेले का अवलोकन किया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस मेले का भरपूर लाभ लें।

उन्होंने मेले के प्रत्येक स्टॉल पर जाकर मेले की गतिविधियों को देखा। उन्होंने स्टाल पर कॉलोनियों के प्रतिनिधियों से चर्चा की। साथ ही उन्होंने मेले में पधारे नागरिकों से भी संवाद किया। मेले को बेहतर प्रतिसाद प्राप्त हुआ है। यह मेला 22 दिसम्बर को भी चलेगा। मेले में खरीददारों ने खुशी जाहिर की और जिला प्रशासन के प्रयासों को सराहना की। उन्होंने कहा कि इस मेले के माध्यम से अपने आशियाने का सपना साकार हुआ।

सुबह से भी लगने लगी थी भीड़

आवास मेले के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न आय वर्ग के नागरिकों को प्लॉट/फ्लेट खरीदने का सुनहरा अवसर दिया जा रहा है। आवास मेले को आज पहले ही दिन ही बेहतर प्रतिसाद मिला। आवास मेले को लेकर नागरिकों में उत्साह देखने को मिला। मेले में सुबह से भी नागरिकों की भीड़ लगने लगी। पहले एक घंटे में ही कई प्लॉटों का आवंटन हो गया। इस मेले में इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित की जा रही लगभग 150 कॉलोनियों में एहर-छकऋ के लिये आरक्षित 6 हजार से अधिक भूखण्डों व फ्लेटों के विक्रय हेतु स्टॉल लगाये गये हैं।

आज भी सुबह 10 से शाम 7 बजे तक चलेगा मेला

संयुक्त कलेक्टर प्रदीप सोनी ने बताया कि मेले में पहले दिन आज 14 हजार से अधिक लोगों ने अपना पंजीयन कराया है। लगभग 400 प्लाट/फ्लैट की बुकिंग और आवंटन भी पहले दिन ही किया गया। जिला प्रशासन द्वारा लालबाग परिसर इंदौर में आयोजित यह मेला 22 दिसम्बर को सुबह 10 बजे से प्रारंभ होकर शाम 7 बजे तक चलेगा। मेले में पात्र हितग्राहियों को भू खण्डों/फ्लेटों की आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

ये हैं शर्तें

-मेले का लाभ लेने के लिए आवेदक/पात्र हितग्राही आवेदन कर सकते हैं।

-आवेदक का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना जरूरी है।

-आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपये तक होना जरूरी है।

-कमजोर आय वर्ग (ईडब्ल्यूएस) हेतु आय सीमा तीन लाख रुपये तक होना चाहिए।

-निम्न आय समूह (एलआईजी) हेतु आय सीमा 3 लाख से 6 लाख रुपये तक होना जरूरी है।

-आवेदक के नाम से अथवा परिवार के नाम से मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में कोई भी भवन या भू खण्ड नहीं होना चाहिए।

आकाश विजयवर्गीय ने सिरपुर को दी संजीवनी की सौगात, वार्ड 1 में किया जनसंपर्क

मुफ्त मिलेगी 206 तरह की दवाइयां और 110 प्रकार की जांच

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने शनिवार को विधानसभा क्षेत्र नंबर एक में वार्ड क्रमांक एक का दौरा किया। दौरे के दौरान उन्होंने एक संजीवनी क्लिनिक का उद्घाटन किया और दो जगहों विजयश्री नगर और गांधी पैलेस में जनसंपर्क कर लोगों से उनकी समस्याएं जानी। इस संजीवनी क्लिनिक में 110 प्रकार की जांच और 206 तरह की दवाइयों की मुफ्त सुविधा उपलब्ध हैं।

जनसंपर्क के दौरान विजयवर्गीय ने कहा कि केवल चुनाव के दौरान ही लोगों से संपर्क नहीं किया जाता है। क्षेत्र की जनता से मुलाकात के लिए, उनके हालचाल पूछने के लिए और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए मैं आप सभी के बीच आया हूं। सबसे पहले आकाश विजयवर्गीय ने सिरपुर स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर के सामने करीब 25 लाख रुपये की लागत से निर्मित संजीवनी क्लिनिक का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने जनता के लिए कई जन उपयोगी कार्य किए हैं, कांग्रेस की सरकार के दौरान लोगों ने बिजली, सड़क और पानी का भीषण संकट देखा है। उस वक्त के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंहजी से जब एक पत्रकार ने सड़कों पर गड्ढों को लेकर सवाल पूछा था तो उनका जवाब था कि सड़कों पर गड्ढे नहीं हैं बल्कि गड्ढों के बीच कहीं-कहीं पर सड़कें हैं। संजीवनी क्लिनिक एक ऐसी ही सरकार की पहल है, क्योंकि गरीब आदमी बीमार होने पर अस्पताल जाने से इस वजह से डरता था कि कहीं बहुत ज्यादा खर्च ना हो जाए, इलाज का पैसा कहां से लाएंगे। अब संजीवनी क्लिनिक में जांच फ्री में होती है और दवाइयां भी मुफ्त में मिलती है। इस संजीवनी क्लिनिक में 110 प्रकार की जांच और 206 तरह की दवाइयों की मुफ्त सुविधा उपलब्ध है। इस क्लिनिक पर 5 लोगों का स्टाफ रहेगा, जो मरीजों के स्वास्थ्य का ख्याल रखेगा। हमारे प्रधानमंत्री मोदीजी ने 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड की सौगात दी है। इस कार्ड की एक यह भी विशेषता है कि जिन बुजुर्गों को पहले से यह सुविधा मिल रही है उनको अब 5 की जगह 10 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त में होगा। आकाश विजयवर्गीय ने वार्ड 1 में विजयश्री नगर और गांधी पैलेस में जनसंपर्क कर लोगों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से पूछा कि सरकार द्वारा दी जा रही योजनाओं का लाभ उनको मिल रहा है या नहीं? ज्यादातर लोगों ने कहा कि उनको योजनाओं का लाभ मिल रहा है। कुछ लोगों ने कहा कि उन्हे योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। इस पर आकाशजी विजयवर्गीय ने मौके पर उपस्थित प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों से इस संबंध में जानकारी ली और कहा कि जल्द से जल्द लोगों की समस्याओं का निराकरण करें और कोई भी योग्य व्यक्ति सरकार की योजनाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोमवार 23 दिसंबर को गांधी पैलेस में नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करेंगे। साथ ही आकाश विजयवर्गीय ने सिरपुर तालाब उद्यान के सौंदर्यकरण कार्य का अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ निरीक्षण भी किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद महेश चौधरी ने कहा कि जनता को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए हर महीने की 1 से 5 तारीख तक क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा। पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता ने कहा कि संजीवनी क्लिनिक सरकार की जनता को एक बेहतर सौगात है। आकाशजी विजयवर्गीय ने खेड़ापति हनुमान मंदिर में दर्शन कर मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान करने में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उनके साथ मंडल अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष भाजपा पदाधिकारी संग बड़ी संख्या में रहवासी गण उपस्थित थे।

11वीं की छात्रा और गेम डिजाइनिंग के छात्र ने दी जान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर में दो विद्यार्थियों की आत्महत्या का मामला सामने आया है। शनिवार को दोनों का एमवाय अस्पताल में पीएम हुआ। दोनों ही मामलों में सुसाइड का कारण सामने नहीं आया है। इसमें एक 11वीं की छात्रा है, जबकि दूसरा गेम डिजाइनिंग की पढ़ाई करने वाला थर्ड ईयर का छात्र है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

आजाद नगर पुलिस के मुताबिक क्षेत्र के इदरिश नगर में छात्रा ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक 17 वर्षीय विधि पिता अनिल सोलंकी ने अपने ही घर में शुक्रवार को फांसी लगा ली। छात्रा के परिजन सतीश बिल्लोर ने बताया कि शुक्रवार को विधि ने परिवार के लोगों को बताया कि वॉट्सएप पर उसे स्कूल का होमवर्क आ गया है, तो वह स्कूल नहीं जाएगी। घर से ही पढ़ाई कर लेगी।

माता-पिता काम पर गए, छोटा भाई था घर में

माता-पिता अपने काम पर चले गए। घर में 10 साल का छोटा भाई था। इस बीच विधि ने घर में फांसी लगा ली। भाई ने देखा तो आसपास के लोगों को सूचना दी। जिसके बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल ले गए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम किया और शनिवार को उसका पीएम करवाया। पुलिस के मुताबिक सुसाइड के कारणों का पता नहीं चला है न ही कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक हजार कर्मचारी 5 माह में पूरा करेंगे रेलवे लाइन का काम, मई से दौड़ेगी इंदौर-धार ट्रेन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। वर्षों पुराना इंदौर-दाहोद रेल लाइन प्रोजेक्ट में पिछले दो वर्षों से युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। 204 किमी लंबे इस प्रोजेक्ट को अलग-अलग सेक्शन में पूरा किया जा रहा है। इंदौर-टिही सेक्शन पर रेल कनेक्टिविटी होने के बाद अब टिही से धार सेक्शन का काम चल रहा है। इस सेक्शन को मई माह तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस काम को पूरा करने के लिए एक हजार कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं। इसी सेक्शन में 2.9 किमी लंबी टनल की फिनिशिंग का काम चल रहा है। टिही-धार सेक्शन 46 किमी के हिस्से में रेल लाइन बिछाने, अर्थवर्क, स्टेशन भवन, आरओबी, अंडर पास आदि बनाने काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। पश्चिम रेलवे ने इस सेक्शन को पूरा करने का मई माह तक का लक्ष्य निर्धारित किया है। सेक्शन में टिही से पीथमपुर के बच 8 किमी हिस्से में पटरी बिछाने का काम करीब-करीब पूरा हो चुका है। पीथमपुर से सागौर तक 9.12 किमी में भी पटरी बिछाने काम पूरा हो चुका है। सागौर से गुनावद तक 15.24 किमी हिस्से भी पटरी बिछाने काम हो चुका है। गुनावद से धार तक 14.02 किमी के हिस्से में अथवर्क का काम पूरा होकर पटरी बिछाने का काम चल रहा है। टनल बनने के बाद अब फाइनल फिनिशिंग की जा रही है। प्रायमरी सपोर्ट के बाद अब पमर्नेट सपोर्ट के लिए फाइनल लाइनिंग की जा रही है। पानी का रिसाव रोकने के लिए जेंट्री के माध्यम से वाटरप्रुफ जियो टैक्सटाइल और मेमरीन लगाई जा रही है। ताकि पानी का रिसाव न हो। इसके बाद भी पानी का रिसाव होने के लिए ड्रेन लाइन भी बनाई है। हर दिन छह मीटर में फिनिशिंग का काम किय जा रहा है। फिनिशिंग के बाद ब्लास्टलेस ट्रैक बिछाया जाएगा। कुल मिलाकर अप्रैल-मई माह ही टनल पूरी तरह से तैयार हो पाएगी।

चारों रेलवे स्टेशन का काम 70 फीसदी तक पूरा

पीथमपुर, सागौर, गुनावद और धार रेलवे स्टेशन का काम 70 फीसदी से अधिक पूरा हो चुका है। 200 मीटर लंबे धार रेलवे स्टेशन पर तीन पैसेंजर और एक प्लेटफार्म गुड्स ट्रेनों के लिए रहेगा। यहां एक्सलेटर, लिफ्ट, अंडरपास जैसे यात्री सुविधाएं मौजूद रहेगी। कुल पांच रेल लाइन बनेगी। इसी तरह सागौर रेलवे स्टेशन पर दो पैसेंजर और एक गुड्स प्लेटफार्म रहेगा। सागौर रेलवे स्टेशन से ही मल्टी लाजिस्टिक पार्क के लिए रेल लाइन की कनेक्टिविटी रहेगी। स्टेशन से पार्क करीब तीन किमी दूर बन रहा है। हाइटेंशन लाइन ने रोका काम सागौर रेलवे स्टेशन से करीब 2 किमी आगे सुलावट में ट्रैक के पर से हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। ट्रैक और लाइन के बीच ऊंचाई कम होने के कारण रेलवे ने यहां काम रोक दिया है। पांच हाइटेक मेक मशीन का काम

इस लाइन को शिफ्ट करने के लिए बिजली कंपनी के लिए बात चल रही है। सबसे बड़ा आरओबी एनएच47 पर इस सेक्शन में तीन बड़ी आरओबी बनाएं जा रहे हैं। जिसमें एक आरओबी मानपुर-लेबड़ फोरलेन पर एकलदुना में बन रहा है। जिसे पूरा करने के लिए एक साथ पांच हाइटेक मेक मशीन का काम एक साथ किया जा रहा है। इसके साथ ही दो बड़े आरओबी एनएच47 सिक्स लेन पर गुनावद और नौगावं में बन रहे है।

अनशन पर बैठा छात्र हो गया बेहोश अब आज निकलेगी दंडवत यात्रा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। बुधवार से जारी एमपीपीएससी अभ्यर्थियों का प्रदर्शन चौथे दिन शनिवार को भी जारी रहा। शनिवार को करीब 2 हजार स्टूडेंट धरना स्थल पर पहुंचे हैं। इंदौर के अलावा आसपास के शहरों से भी अभ्यर्थी यहां आ रहे हैं। धरना स्थल पर सुबह कई अभ्यर्थी अपनी पढ़ाई करते नजर आए। वहीं, अनशन पर बैठे अभ्यर्थियों में से एक अरविंद सिंह भदौरिया बेहोश हो गए। अरविंद सिंह गुरुवार रात से राधे जाट के साथ आमरण अनशन पर थे, आसपास मौजूद अभ्यर्थी और यूनियन के पदाधिकारियों ने उन्हें संभाला। धरना प्रदर्शन में अभ्यर्थी पुष्पा मूवी के फेमस डॉयलॉग को भी लेकर पहुंचे। हालांकि ये डॉयलॉग स्टूडेंट्स पर बेस था। इसके अलावा स्टूडेंट्स अलग-अलग तख्तियां लिए नजर आए। ?आंदोलन को बाप पार्टी के विधायक कमलेश्वर डोडियार ने भी समर्थन दिया। युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह भी स्टूडेंट के बीच पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि युवक कांग्रेस पूरे प्रदेश में सीएम के पुतले का दहन करेगी।

धरना स्थल पर ही पढ़ाई की व्यवस्था

नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन के बैनर तले हो रहे इस प्रदर्शन में शनिवार को धरना स्थल पर ही कोचिंग क्लास, लाइब्रेरी वाले स्टूडेंट्स को पढ़ाएंगे, ऐसी व्यवस्था यहां की जा रही है।

300 किलो सोना-चांदी समेत मिला नोटों का अंबार, टाइल्स के नीचे भी निकला चांदी का भंडार

परिवहन विभाग के पूर्व कांस्टेबल के यहां निकला 'कुबेर का खजाना'

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी में लोकायुक्त पुलिस ने परिवहन विभाग के जिस पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा के ठिकानों पर छापेमारी की, वहां 'कुबेर का खजाना' निकला है। यहां 300 किलो सोना और चांदी सहित नोटों का अंबार मिला है। सौरभ ने टाइल्स तक के नीचे संपत्ति छिपा रखी थी।

सौरभ शर्मा के यहां अभी तक करीब 300 किलो सोना-चांदी और करोड़ों की नकदी बरामद हो चुकी है। तीन दिन से तलाश जारी है और टीम जहां हाथ डालती है वहीं से सोना, चांदी और नकदी निकल रही है। बताया जा रहा है कि सौरभ शर्मा के ऑफिस में टाइल्स के नीचे से भी चांदी का भंडार निकला है। लोकायुक्त के छापे में अभी तक 234 किलो चांदी और 52 किलो सोना बरामद किया गया है। इससे पहले पूर्व कांस्टेबल के घर से पौने तीन करोड़ रुपए कैश मिल चुका है।

अचल संपत्ति के भी कागजात मिले

भोपाल के ही एक जंगल में लावारिश मिली कार से 52 किलो सोना और करीब 10 करोड़ रुपए कैश मिला था। जिस इनोवा कार में कैश और सोने का ढेर मिला वह चंदन गौर के नाम रजिस्टर्ड है। चंदन सौरभ शर्मा का करीबी दोस्त बताया जा रहा है। सौरभ के घर से करोड़ों रुपए की अचल संपत्ति के कागजात भी मिले हैं। लोकायुक्त पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों के ठिकानों से मिले संपत्तियों का आंकलन करने में जुटी हुई है।

15 लाख का पर्स भी बरामद
सौरभ शर्मा के खिलाफ रेड में एक सीक्रेट लॉकर निकला। उसने दफ्तर में टाइल्स के नीचे चांदी की सिल्लियों को छिपाया हुआ था। उसके ठिकाने से हीरे की अंगुठियां, महंगी घड़ियां भी मिली हैं। एक लेडीज पर्स भी बरामद किया गया है जिसकी कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई जा रही है। एक साल पहले तक करीब 40 हजार रुपए महीने की नौकरी करने वाले सौरभ के पास मिले खजाने को देखकर जांच दल में शामिल अफसर भी हैरान हैं।

कई मंत्रियों का करीबी रहा है सौरभ
सौरभ शर्मा वर्ष 2015 में पिता के निधन के बाद अनुकंपा नियुक्ति से पुलिस आरक्षक बना था। 2022 में उसने स्वैच्छिक सेवानिवृति लेकर रीयल एस्टेट का कारोबार शुरू किया। भोपाल की पाश कालोनी ई-7 में उसका आवास और कार्यालय है। परिवहन विभाग में रहते हुए सौरभ एक-दो मंत्रियों का करीबी बन गया था। एक मंत्री के विभाग से जाते ही उसने इस्तीफा दे दिया था, क्योंकि उसे कार्रवाई का डर सताने लगा था।

भोपाल के बाहर भी फैला हुआ है कारोबार
सौरभ का कालेधन का कारोबार मप्र के कई हिस्सों में फैला है। उसमें कई बड़े रसूखदारों के हिस्सेदारी की बात भी सामने आ रही है। हालांकि, लोकायुक्त पुलिस अभी उन नामों का खुलासा नहीं कर रही है, जांच जैसे जैसे आगे बढ़ेगी वैसे वैसे यह नाम सामने आएंगे। शर्मा के घर मिले बेनामी संपत्तियों के दस्तावेजों के आधार पर उनके मालिकों से भी पूछताछ कर असल मालिक का पता लगाया जाएगा। लोकायुक्त की छापेमारी में सौरभ शर्मा ललितपुर-राजगढ़ बांध परियोजना में मत्स्य पालन का काम कर रहा है। लोकायुक्त पुलिस ने अब इस काम के लिए पैसा कितना लगाया और वह कहां से आया, इसकी जांच शुरू कर दी है। साथ ही शाहपुरा बी सेक्टर में 20 हजार वर्ग मीटर जमीन पर जयपुरिया नाम से बन रहे स्कूल की जमीन एक समिति के नाम पर है। इसमें उसके साथ काम करने वाले चेतन सिंह गौर, शरद जायसवाल जैसे लोग भी सदस्य हैं। 2002 में बनी इस समिति की जानकारी भी खंगाली जा रही है।

दोनों मोबाइल बंद, मां बोली—पत्नी के साथ मुंबई गया
सौरभ और चंदन दोनों अभी तक फरार हैं। पुलिस दोनों की तलाश में जुटी हुई है। सौरभ के विदेश भागने की आशंका भी जताई जा रही है। सौरभ के अरेरा कॉलोनी स्थित घर पर उसके 11 और 8 साल के दो बेटे अपनी दादी के साथ हैं। सौरभ की मां का कहना है कि बेटा उसकी पत्नी के साथ मुंबई गया है। उन्होंने बताया कि सौरभ स्कूल के फ्रेंचाइजी लेने गया है, जबकि यह भी जानकारी मिली है कि सौरभ दुबई में है। वहीं, लोकायुक्त के अधिकारियों का कहना है कि उसके दोनों मोबाइल बंद है। अब सर्चिंग के बाद सौरभ के बारे में भी पता किया जाएगा कि वह कहां है?

परिजनों और परिचितों को भी आरोपी बनाने की तैयारी
अब लोकायुक्त सौरभ शर्मा के घर मिले प्रॉपर्टी के दस्तावेजों के आधार पर उसके परिजनों, कर्मचारियों और अन्य लोगों को भी बेनामी संपत्ति मामले में आरोपी बनाने की तैयारी कर रही है। लोकायुक्त अब संबंधित लोगों को उनकी आय के स्त्रोत को लेकर पूछताछ करेगी। इसके लिए उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा।

सबसे छोटे दिन की खगोलीय घटना पर सारिका ने मढ़ई में पर्यटन के साथ कराए प्रयोग

पर्यटकों ने पृथ्वी की परिधि मापकर किया पर्यटन

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। आये तो थे टाइगर एवं अन्य वन्य प्राणियों से साक्षात्कार करने लेकिन अपनी जंगल सफारी करने के बाद पर्यटकों ने अपनी होटल के प्रांगण में एक स्थान पर ही रहकर पृथ्वी की परिधि की लंबाई माप ली।

नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू द्वारा मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल मढ़ई रिवरसाईड लॉज प्रांगण में आयोजित प्रयोग में देश के विभिन्न राज्यों से पर्यटकों ने पृथ्वी की परिधि मापने के लिए 23 सौ साल पहले ग्रीक एस्ट्रोनॉमर इरेटोस्थेनीज के प्रयोग का इस्तेमाल किया। इससे पृथ्वी की परिधि का मान 40, 696 किमी ज्ञात किया। जो कि वास्तविक मान 40,075 किमी के काफी करीब था।

छाया की लंबाई को हर 5 मिनट बाद मापा
सारिका द्वारा आयोजित प्रयोग में सुबह 11:30 बजे 4 फीट के पाईप को सीधा खड़ा करके उसकी बनने वाली छाया की लंबाई को हर 5 मिनट बाद मापा। 12:20 पर बनी सबसे छोटी छाया के कोण को चांदे की मदद से मापा गया। इस कोण और मकर रेखा से मढ़ई की दूरी के अनुपात की 360 डिग्री कोण तथा पृथ्वी की परिधि से तुलना की।

प्रयोग से जाना चलना होगा 40 हजार किमी
सारिका ने बताया कि आज विटर सोलिस्टिस की खगोलीय घटना के दिन मकर रेखा पर सूर्य की किरणें ठीक लंबवत पड़ रहीं थी। तो वहां से 5087 किमी की एयर डिस्टेंस पर जब मढ़ई में पाइप की छाया मापी गई तो कोण का मान लगभग 45 डिग्री मिला। इस कोण और मकर रेखा की दूरी के अनुपात की गणना से बिना कदम बढ़ाये पर्यटकों ने पृथ्वी की परिधि की गणना की। पर्यटकों ने प्रयोग से जाना कि अगर पृथ्वी की परिक्रमा करने का पर्यटन करना हो तो चलना होगा 40000 किमी से कुछ अधिक।

राज्य शिक्षा केंद्र ने घोषित किया टाइम टेबल, पहली-दूसरी कक्षा की नहीं होगी परीक्षा

6 मार्च शुरू होंगी तीसरी से सातवीं तक की वार्षिक परीक्षाएं

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों की तीसरी, चौथी, छठी और सातवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा छह मार्च से आयोजित की जाएंगी। राज्य शिक्षा केंद्र ने इसकी समय-सारिणी घोषित कर दिया है। तीसरी व चौथी कक्षा की परीक्षाएं छह से 11 मार्च तक और छठी व सातवीं की परीक्षाएं छह से 12 मार्च तक आयोजित की जाएंगी।

इस समय सारिणी के अनुसार, परीक्षाओं की समय अवधि ढाई घंटे की रहेगी। परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम 4.30 बजे तक चलेगी। छह से 12 मार्च के बीच स्थानीय अवकाश होने पर भी ये परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। सभी सरकारी स्कूलों में पहली व दूसरी कक्षा में परीक्षा नहीं ली जाएगी। इनका आकलन अभ्यास पुस्तिका के माध्यम से किया जाएगा। साथ ही गतिविधि आधारित व मौखिक मूल्यांकन होगा। इसमें हिंदी, अंग्रेजी व गणित विषय में सीखने की क्षमता के स्तर का परीक्षण होगा।

तीन भाषाएं जरूरी, सावधानी रखने को कहा
प्राचार्यों से कहा गया है कि परीक्षा का आवेदन पत्र भरते समय भाषा चयन को लेकर विद्यार्थियों से चर्चा कर लें। तीसरी व चौथी कक्षा में अतिरिक्त भाषा वैकल्पिक है। प्रथम भाषा के रूप में हिंदी, उर्दू या मराठी का चयन करने पर द्वितीय भाषा अंग्रेजी लेनी होगी। वहीं प्रथम भाषा के रूप में अंग्रेजी का चयन करने पर द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी का चयन करना अनिवार्य होगा। वहीं छठी व सातवीं कक्षा में अगर कोई विद्यार्थी प्रथम भाषा के रूप में उर्दू या मराठी का चयन करता है तो उसे द्वितीय भाषा के तौर पर अंग्रेजी और तृतीय भाषा के रूप में हिंदी का चयन करना अनिवार्य होगा। वहीं प्रथम भाषा के रूप में अंग्रेजी का चयन करने पर द्वितीय भाषा हिंदी और तृतीय भाषा के रूप में संस्कृत, उर्दू या मराठी भाषा का चयन करना अनिवार्य होगा।

लाड़ली बहना योजना में शामिल नहीं होंगी 60 से अधिक उम्र की महिलाएं

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। लाड़ली बहना योजना का सरकार विस्तार नहीं करेगी। 60 वर्ष से अधिक की महिलाओं को इसमें शामिल करने का कोई विचार नहीं है। योजना 21 से 60 वर्ष तक की महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसमें एक करोड़ 28 लाख हितग्राही हैं और इन्हें जून 2023 से दिसंबर 2024 तक 29 हजार 218 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं।

यह जानकारी भाजपा विधायक डा.चिंतामणि मालवीय के ध्यानाकर्षण के लिखित उत्तर में महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने दी। डॉ. मालवीय ने 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को योजना में शामिल करने की बात उठाई। उन्होंने ध्यानाकर्षण में कहा कि 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की माताओं तथा वरिष्ठ नागरिकों को राहत राशि की अधिक आवश्यकता होती है, इसलिए योजना का विस्तार किया जाना चाहिए। इसके उत्तर में विभागीय मंत्री ने बताया कि योजना में 21 वर्ष से 60 वर्ष की आयु पूरी होने तक महिलाएं शामिल हैं। पहले आयु 23 वर्ष थी, जिसे घटकार 21 वर्ष किया गया। ट्रैक्टर रखने वाले परिवार की विवाहित महिलाओं को भी पात्रता दी गई। जुलाई से अगस्त 2023 में छह लाख 339 नए हितग्राही जोड़े गए।

इसलिए नहीं किया जा रहा शामिल
जनवरी से दिसंबर 2024 तक 19,221 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। व्यापक विचार-विमर्श के बाद पात्रता आयु 21 से 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक की महिलाओं को ही लक्षित हितग्राही बनाया है। राज्य और केंद्र सरकार 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिला एवं वरिष्ठ नागरिकों की सहायता के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही हैं। इसलिए लाड़ली बहना योजना का 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए विस्तार करने पर कोई विचार नहीं किया जा रहा है।

सभी विश्वविद्यालयों में अगले साल से होगा लागू

चार वर्षीय यूजी कोर्स के साथ शुरू होगा एक साल का पीजी पाठ्यक्रम

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में अगले साल से चार वर्षीय यूजी पाठ्यक्रम के साथ एक साल का पीजी पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसके तहत विद्यार्थियों को पीजी के लिए कुछ खास सुविधाएं दी गई हैं।

अब विद्यार्थी अपनी पसंद के विषय पर पीजी में प्रवेश ले सकते हैं। विद्यार्थी अब पीजी में आसानी से एक से दूसरे संकाय में जा सकेंगे। खास बात यह है कि ऐसे विषय जो विद्यार्थियों ने स्नातक में नहीं भी पढ़े हैं, उनमें भी पीजी कर सकेंगे।

पीजी में प्रवेश के लिए टेस्ट क्लियर करना होगा

नए विषय के लिए विद्यार्थी को पीजी में प्रवेश के लिए टेस्ट को क्लियर करना होगा। यूजीसी ने नए फ्रेमवर्क को मंजूरी दे दी गई है। यह नई व्यवस्था मध्य प्रदेश में अगले शिक्षा सत्र से लागू की जाएगी।

अनिवार्य नहीं रहेगा मेजर विषय
अधिकारियों का कहना है कि नए पीजी करिकुलम फ्रेमवर्क में विद्यार्थियों को एक संकाय से दूसरे संकाय के विषय को बदलने की सुविधा दी गई है। विद्यार्थियों ने यूजी में मेजर या माइनर जो भी विषय पढ़े होंगे, उनमें से किसी भी संकाय के विषय को लेकर विद्यार्थी पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। अभी तक पीजी के लिए मेजर विषय का होना जरूरी था।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अगर किसी विद्यार्थी ने यूजी में इकोनामिक्स आनर्स के साथ पालिटिकल साइंस, हिस्ट्री जैसे मेजर सब्जेक्ट लिए हैं और दूसरे माइनर विषय चुने हैं, तो इनमें से किसी भी विषय में वह मास्टर की डिग्री ले सकेंगे। इस तरह से उसके बाद बहुत सारे विषयों में पीजी कोर्स करने के विकल्प होंगे।

खादिम नहीं इंस्पेक्टर कहलाएंगे हज कमेटी भेजेगी अपने प्रतिनिधि

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज-2025 के लिए स्टेट हज इंस्पेक्टर (खादिमुल हुज्जाज) के चयन के लिए आवेदन आमंत्रित कराने के संबंध में परिपत्र जारी किया है। जिसके अनुसार पुरूष आवेदकों के साथ-साथ महिला आवेदक भी स्टेट हज इंस्पेक्टर हेतु आवेदन कर सकती हैं। स्टेट हज इंस्पेक्टर हेतु ऑनलाइन आवेदन किए जाएंगे।

हज कमेटी ऑफ इण्डिया के नियम एवं दिशा-निदेशार्नुसार केवल वही पुरुष/महिला आवेदक आवेदन करें, जो शासकीय नियमित कर्मचारी हों। इनके लिए हज अथवा उमरा अदा किए होने की अनिवार्यता रखी गई है। साथ ही यह स्थानीय भाषा का ज्ञान रखते हों तथा अरबी भाषा की जानकारी रखने वाले आवेदक को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदक स्नातक हो, स्मार्टफोन, इंटरनेट, मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग अच्छी तरह कर सकते हों तथा माइक्रोसाफ्ट ऑफिस से परिचित हों। आवेदक की आयु 4 तक 50 वर्ष से अधिक न हो।

साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा चयन
मानदण्ड को पूर्ण करने वाले आवेदक का चयन कम्प्यूटर आधारित टेस्ट तथा साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। आवेदक को शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण का प्रमाण पत्र प्रस्तुत कराना होगा।

यह है शर्तें
उल्लेखित है कि खादिमुल हुज्जाज के रूप में आवेदन करने हेतु आवश्यक है कि उसके परिवार का कोई भी सदस्य हज-2025 के लिए हज यात्रा के लिए नहीं जा रहा हो। सऊदी मौअल्लिम से भी उसकी कोई जान पहचान न हो। खादिमुल हुज्जाज के कार्य के लिए कार्य की अवधि से संबंधित दी जाने वाली डयूटी पर कार्य माना जाएगा, लेकिन इसके लिए कोई वेतन भत्ता एवं यात्रा भत्ता भुगतान नहीं किया जाएगा। आवेदनकर्ता को संबंधित विभाग अथवा नियोक्ता द्वारा जारी मूल अनुमति (अनापत्ति प्रमाण पत्र), मूल शासकीय चिकित्सालय का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, हज/ उमरा करने से संबंधित प्रमाणित दस्तावेज तथा पासपोर्ट की छायाप्रतियां अनिवार्य रूप से आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक है।

मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष खुद भरेंगे अपना इनकम टैक्स

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री और मंत्रियों के बाद अब विधानसभा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष वेतन-भत्ता सहित अन्य परिलब्धियों पर लगने वाले आयकर को स्वयं भरेंगे। अभी तक इसका भुगतान सरकार करती थी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर पहले मंत्रियों और बाद में विधानसभा अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष ने अपना आयकर स्वयं भरने की घोषणा की थी। इसे नियम में लाने के लिए विधानसभा में संसदीय कार्य विभाग द्वारा प्रस्तुत संशोधन विधेयक को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया
संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पहले विधानसभा अध्यक्ष-उपाध्यक्ष और फिर नेता प्रतिपक्ष वेतन भत्ता संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया। इस पर चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस विधायक ओमकार सिंह मरकाम ने कहा कि नियम बनाकर इसे बंधनकारी नहीं बनाया जाना चाहिए।

यह अध्यक्ष के विवेक पर छोड़ा जाएगा कि आयकर वह स्वयं भरना चाहते हैं या सरकार भरे। सबकी परिस्थिति एक जैसी नहीं होती है। भौगोलिक दृष्टि से विधायक जितनी दूर से आते हैं और आप जितना वेतन भत्ता देते हैं, उतना तो डीजल में चला जाता है।

मुख्य सचिव का वेतन अध्यक्ष से भी ज्यादा
कुछ विधायकों का व्यवसाय है, वह थोड़ा भार संभाल लेते हैं पर सब ऐसे नहीं हैं। दिल्ली सहित अन्य प्रांतों में विधायकों का वेतन अधिक है, इस पर विचार करें। इसके साथ ही यह भी देखें किन्हें कितना वेतन-भत्ता मिल रहा है। मुख्य सचिव को वेतन हमारे अध्यक्ष से भी अधिक है।

सम्पादकीय

भारत-चीन संबंध : सतर्कता के साथ और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत

लंबी खटास व तनातनी के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में हुई हालिया बैठक के सार्थक परिणाम सामने आए हैं। बीजिंग में डोभाल व वांग तथा दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक निश्चित रूप से कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण प्रगति कही जा सकती है। खासकर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद पांच वर्षों में यह पहली बातचीत, दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण व सतर्क बदलाव को ही दर्शाती है। दरअसल, इस चर्चा का केंद्र लद्दाख पर अक्टूबर 2024 के समझौते का कार्यान्वयन था। यह सुखद ही है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर शांति बनाये रखने की प्रतिबद्धता जताई। निश्चय ही यह कदम भविष्य में संघर्षों को रोकने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह हकीकत है कि चीन भौगोलिक रूप से हमारा पड़ोसी है, हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। ऐसे में जरूरी है कि तमाम विसंगतियों के बावजूद अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के साथ पड़ोसी से रिश्ते बेहतर बनाए जाएं। लंबी खटास व तनातनी के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में हुई हालिया बैठक के सार्थक परिणाम सामने आए हैं। बीजिंग में डोभाल व वांग तथा दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक निश्चित रूप से कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण प्रगति कही जा सकती है। खासकर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद पांच वर्षों में यह पहली बातचीत, दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण व सतर्क बदलाव को ही दर्शाती है। दरअसल, इस चर्चा का केंद्र लद्दाख पर अक्टूबर 2024 के समझौते का कार्यान्वयन था। यह सुखद ही है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर शांति बनाये रखने की प्रतिबद्धता जताई। निश्चय ही यह कदम भविष्य में संघर्षों को रोकने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में सीमा व्यापार बढ़ाने, सीमा पार नदियों का डेटा साझा करने तथा कैलाश मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहन करने के उद्देश्य से छह सत्री सहमति पर भी जोर दिया गया। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की सहमति से सारी चुनौतियां एकदम खत्म हो चुकी हैं। निर्विवाद रूप से सीमा विवाद एक संवेदनशील व जटिल मुद्दा बना है। जिसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि आपसी विश्वास में व्याप्त कमी को दूर किया जाए। निश्चित रूप से व्यावहारिक कूटनीति के साथ विश्वास निर्माण के उपायों को कदम दर कदम बढ़ाया जाना चाहिए। हालांकि इन प्रतिबद्धताओं को अमलीजामा पहनाने के लिये सतर्कता के साथ और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होगी। बहरहाल, खट्टे-मीठे रिश्तों और लंबी कटुताओं के बावजूद इस बैठक के निहितार्थों को व्यापक संदर्भों में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निर्विवाद रूप से चीन आज दूसरी बड़ी वैश्विक शक्ति है। भारत ने भी आर्थिक व अन्य क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है। इसके बावजूद दोनों ही देश वैश्विक शक्ति की बदलती गतिशीलता से जूझ रहे हैं। खासकर अमेरिका में होने जा रहे राजनीतिक परिवर्तन से उबरने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर। ऐसे में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को दोनों देशों की एकजुटता प्रभावित करने की क्षमता रखती है। खासकर व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय प्लेटफॉर्मों में सहयोगात्मक पहल से क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। निस्संदेह, दोनों देशों की सीमा पर शांति की पहल एक शुरुआत मात्र है। इसके उपरांत दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क, व्यापार बाधाओं व असंतुलन को दूर करना वक्त की जरूरत है। हमें सांस्कृतिक सहयोग के जरिये दोनों देशों के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने का लाभ उठाना चाहिए। विश्वास कायम करने और संघर्ष की छाया दूर करने के लिये ऐसे सकारात्मक कदम जरूरी हैं। निस्संदेह, रिश्तों को सामान्य बनाने का रास्ता लंबा है, लेकिन सार्थक संवाद से अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य की आशा लगातार बनी रहती है। भारत और चीन के लिये शांति सिर्फ एक आदर्श मात्र नहीं बल्कि एक अपरिहार्य आवश्यकता है। निस्संदेह, भारत और चीन के बीच हुई यह तेईसवीं मुलाकात नई उम्मीद जगाती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री के बीच यह बातचीत कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद लिए गए फैसले के अनुरूप ही हुई है।

संसद की गरिमा से जानबूझकर हो रहा खिलवाड़

पूरे देश की जनता ने बड़ा भरोसा जताते हुए अपने प्रतिनिधियों को चुनकर लोकसभा में भेजा है, ताकि वे सांसद के रूप में देश की भलाई के लिए नीति एवं नियम बनाएं, उसे लागू कराएं और जनजीवन को सुरक्षित तथा खुशहाल बनाते हुए देश का विकास करें। संसद की सदस्यता की शपथ लेते समय सांसदगण इन सब बातों को ध्यान में रखने की कसम भी खाते हैं, लेकिन उनकी कसम बेबुनियाद ही होते हुए संसद की मर्यादाओं को आहत कर रही है। बीते कुछ समय से धरना-प्रदर्शन के साथ सड़क पर राजनीतिक दमखम दिखाने वाले नजारे संसद के दोनों सदनों में भी दिखने लगे हैं। भौतिक रूप से छीना-झपटी और हाथापाई की नौबत भी दिखती रही है और विचाराधीन विषय से दूर एक-दूसरे को हीन साबित करना ही उद्देश्य बन गया है।

सांसदों को समग्रता में सोचना चाहिए कि अगर संसद जोर आजमाइश एवं हिंसा का अखाड़ा होकर बात एफआईआर की राजनीति तक बढ़ेगी, तो संसद का संचालन जटिल से जटिलतर होता जायेगा। संसद में तनाव कोई नई बात नहीं है। संविधान-निमार्ता भीमराव आंबेडकर को लेकर भारतीय संसद में जो दृश्य पिछले कुछ दिनों में देखने को मिले हैं, वे न केवल शर्मसार करने वाले है बल्कि संसदीय गरिमा को धुंधलाने वाले हैं। अंबेडकर को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। दोनों पक्षों ने गुरुवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान हाथापाई भी हुई जिसमें भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी को नियमों का पालन करना पड़ेगा। संसद की मर्यादा और गरिमा सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी है। भारतीय संसद के प्रांगण में जिस तरह की अशोभनीय एवं त्रासद स्थिति का उत्पन्न हुई है, वे हर लिहाज से दुखद, विडम्बनापूर्ण और निंदनीय है। आरोप-प्रत्यारोप की वजह से परिवेश ऐसा बन गया है, मानो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच शुद्ध शत्रुता, द्वेष, नफरत की स्थितियां उग्रतर हो गई हो। और तो और, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार जैसे आरोपों को लेकर पुलिस में मामला दर्ज होना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। इन दुखद एवं अशालीन स्थितियों का उपचार न किया गया, तो संसद में काफी कुछ अप्रिय एवं अशोभनीय होने की आशंकाएं बलशाली होगी।

कहना न होगा कि देश की संसद लोकतंत्र के वैचारिक शिखर और देश की संप्रभुता को रेखांकित करने वाला शिखर संस्थान है। इसलिए इसकी गरिमा बनाए रखना सभी सांसदों का मूल कर्तव्य बन जाता है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों से यह अपेक्षा होती है कि वे संसद की गरिमा को भंग न करे, अपना आचरण शुद्ध, शालीन एवं व्यवस्थित रखेंगे और व्यर्थ की बयानबाजी, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार की जगह सार्थक बहस की संभावनाओं को उजागर करें। भारत की परंपरा कहती है कि वह सभा, सभा नहीं, जिसमें शालीनता एवं मर्यादा न हो। वह संसद संसद नहीं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा न करें। वह धर्म, धर्म नहीं, जिसमें सत्य न हो। वह सत्य, सत्य नहीं जो कपटपूर्ण हो। आज संसद में सांसदों का व्यवहार शर्म की पराकाष्ठा तक पहुंच गया है। पूरे देश की जनता ने बड़ा भरोसा जताते हुए अपने प्रतिनिधियों को चुनकर लोकसभा में भेजा है, ताकि वे सांसद के रूप में देश की भलाई के लिए नीति एवं नियम बनाएं, उसे लागू कराएं और जनजीवन को सुरक्षित तथा खुशहाल बनाते हुए देश का विकास करें। संसद की सदस्यता की शपथ लेते समय सांसदगण इन सब बातों को ध्यान में रखने की कसम भी खाते हैं, लेकिन उनकी कसम बेबुनियाद ही होते हुए संसद की मर्यादाओं को आहत कर रही है। बीते कुछ समय से धरना-प्रदर्शन के साथ सड़क पर राजनीतिक दमखम दिखाने वाले नजारे संसद के दोनों सदनों में भी दिखने लगे हैं। भौतिक रूप से छीना-झपटी और हाथापाई की नौबत भी दिखती रही है और विचाराधीन विषय से दूर एक-दूसरे को हीन साबित करना ही उद्देश्य बन गया है। संसद का मूल्यवान समय बर्बाद हो रहा है, यह इससे स्पष्ट होता है कि पहली लोकसभा में हर साल 135 दिन बैठकें आयोजित हुई थीं। आज स्थिति कितनी नाजुक हो गई है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि पिछली लोकसभा में हर साल औसतन 55 दिन ही बैठकें आयोजित हुईं। नयी लोकसभा की स्थिति तो और भी दुखद एवं दयनीय है। संसद में काम न होना, बार-बार संसदीय अवरोध होना तो त्रासद है ही, लेकिन धक्का-मुक्की तक नौबत पहुंचना ज्यादा चिन्ताजनक है। कोई भी दल हो, किसी भी दल के सांसद हो, उन्हें यह संदेश देने की जरूरत है कि संसद ऐसे किसी संघर्ष का अखाड़ा नहीं है। संसद और संविधान, दोनों ही सांसदों से उच्च गरिमा एवं मर्यादाओं की अपेक्षा करते हैं। संसद देश की आवाजों और दलीलों का मंच है, यह किसी भी प्रकार की शारीरिक जोर-आजमाइश का मंच न बने, इसी में देश की भलाई है, लोकतंत्र की अक्षुण्णता है। सार्थक और उत्पादक संवाद के लिए हर सांसद को संविधान का ज्ञान, संसदीय परंपराओं की जानकारी एवं उनके प्रति प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। दुर्भाग्य से बहुत कम सांसद ही इस ओर ध्यान देते हैं। मुखर प्रवक्ता के रूप में विपक्ष के कई सांसद अक्सर बेलगाम, फूहड एवं स्तरहीन आरोप-प्रत्यारोप दर्ज कराने में जुट जाते हैं। आधी-अधूरी सूचनाओं या गलत जानकारी के साथ विपक्ष के नेता सरकारी पक्ष को आरोपित करने में जुट जाते हैं, बयानों तो तोड़मरोड़ का प्रस्तुत करते हैं। निश्चित ही विपक्ष लगातार अपनी जिम्मेदारी से विमुख होता दिख रहा है। वह सरकार को घेरने और आरोपित करने के उद्देश्य से संसद के कार्य में अक्सर व्यवधान डालता है। लगता है विपक्ष का मकसद यही हो गया है कि संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से न चल सके और सरकार की विफलता दर्ज हो। इस तरह की विपक्ष की बौखलाहट का बड़ा कारण भाजपा की लगातार चमत्कारी जीत है। सांसदों को समग्रता में सोचना चाहिए कि अगर संसद जोर आजमाइश एवं हिंसा का अखाड़ा होकर बात एफआईआर की राजनीति तक बढ़ेगी, तो संसद का संचालन जटिल से जटिलतर होता जायेगा। संसद में तनाव कोई नई बात नहीं है। तनाव और तल्खी का इतिहास रहा है, पर बहुत कम अवसर ऐसे आए हैं, जब शारीरिक बल का दुरुपयोग देखा गया है। संसद भवन के प्रांगण में ही नहीं, बल्कि देश में कहीं भी सांसदों को ऐसे आमने-सामने नहीं आना चाहिए, जैसे गुरुवार को देश ने देखा है। संसद भवन के प्रांगण में जगह-जगह कैमरे लगे हैं। उन कैमरों की मदद से कम से कम यह तो सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषी कौन है? दुध का दुध एवं पानी का पानी हो और सच सामने आये। सच की जीत हो और झूठ नैस्तनाबूद हो। अगर किसी सांसद के सिर में चोट लगी है, तो यह वैसे भी गंभीर मसला है। भाजपा सांसद सारंगी ने यही बताया है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की वजह से एक व्यक्ति उनसे टकराया और वह गिर गए। ऐसा ही आरोप कांग्रेस ने भी लगाया है। पक्ष-विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप लगेंगे, पर ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि सच सामने आए। यदि सच सामने न आए, तो कम से कम सभी सांसद ऐसी स्थिति फिर न बनने दें, इसके लिये संकल्पित हो। शीतकालीन सत्र में आंबेडकर के नाम पर संसद के भीतर-बाहर जो कुछ हो रहा है, उससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल संसद की गरिमा से जानबूझकर खिलवाड़ करने पर तूले है। यह मानना अविश्वसनीय है कि यह धक्का-मुक्की अनजाने में हुई। राहुल गांधी आक्रामक ढंग से एक महिला सांसद के निकट जाकर उन्हें असहज करना तो बहुत ही शर्मनाक एवं कहीं अधिक फूहड़ है। पता नहीं किसके आरोपों में कितनी सच्चाई है, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि उक्त घटना संसद ही नहीं, देश को भी शर्मिंदा करने वाली है। राजनीति का स्तर इतना नहीं गिरना चाहिए कि वह मर्यादा से विहीन दिखने लगे। ऐसी राजनीति केवल धिक्कार की पात्र होती है। संसद की मर्यादा को तार-तार करने वाली ऐसी घटनाएं सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बढ़ती कटुता का ही नतीजा है, जो देश के हित में नहीं है। पक्ष-विपक्ष के बीच बढ़ती शत्रुता न केवल भारतीय राजनीति बल्कि लोकतंत्र के लिए भी खतरनाक हैं। दोनों पक्षों के बीच शत्रु भाव कम होने के कोई आसार इसलिए नहीं दिख रहे हैं, क्योंकि ऐसे मुद्दे सतह पर लाए जा रहे हैं, जिनका कोई औचित्य नहीं बनता और जिनका मकसद लोगों को बरगलाना एवं गुमराह करना है। बीते कुछ समय से यह जो भय का भूत खड़ा किया जा रहा है कि संविधान खतरे में है, वह राजनीति के छिछले स्तर का ही परिचायक है। कोई बताये तो संविधान कब और कैसे खतरे में आ गया। संसद में ऐसे विषयों को लेकर सार्थक एवं सौहार्दपूर्ण संवाद हो, वाद-विवाद की जगह कटुता न ले, विमर्श और विचार की गंभीरता से ही लोकतंत्र की शक्ति बढ़ेगी। दलगत पसंद और नापसंद स्वाभाविक है, किंतु उससे ऊपर उठकर रचनात्मक भूमिका निभाने का साहस भी जरूरी है।

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया: रीना यंग- ब्रिटिश सिनेमेटोग्राफर्स सोसायटी में पहली एशियाई स्त्री

पहला होने का अपना महत्व है। आपका स्थान कोई कभी नहीं ले सकता है। 66 फिल्मों की सिनेमेटोग्राफर रीना यंग को यह गौरव हासिल है। उनके नाम पर एक और प्रथम जुड़ा है। वे पहली महिला डॉयरेक्टर ऑफ फोटोग्राफर हैं जिन्हें ब्रिटिश एरो पुरस्कार प्राप्त हुआ है। वे कैमरा के साथ इलैक्ट्रिकल विभाग संभालती हैं और उन्होंने सिने-निर्देशन भी किया है।रीना अयंग का जन्म 1967 में जापान के एक छोटे शहर में हुआ, आजकल वे लंदन में रहती हैं। जापान में उन्होंने स्टिल लाइफ एवं पोर्ट्रेट पेंटिंग का अध्ययन किया था। बाफ्टा ब्रेकथ्रू 2020 के लिए उनका चुनाव हुआ था। बाफ्टा सिमरु 2019 के लिए कमर्शियल तथा नरेटिव दोनों श्रेणियों में उनका नामांकन हुआ, ऐसा भी पहली बार ही हुआ।वे सीधे सिनेमाटोग्राफर नहीं बन गईं, तीन साल तक उन्होंने सहायक कैमरापर्सन के रूप में शागिर्दी की। हाल में उन्होंने नेटफ्लिक्स के 'टॉप बॉय' की शूटिंग की और इसके साथ वे नरेटिव की ओर मुड़ गई हैं। 'मदर मेरी', 'द फायर इनसाइड', 'ऑल टू वेल- द शॉर्ट फिल्म' जैसी फिल्मों की सिनेमाटोग्राफर वे रही हैं। उन्होंने रेचल मरीसन ('द फायर इनसाइड'), टेलर स्विफ्ट ('ऑल टू वेल- द शॉर्ट फिल्म'), नादिया हैलग्रेन ('बिकमिंग'), जेरमी जेस्पर (2025 में आने वाली म्यूजिकल ड्रामा फिल्म 'ओ'डेसा'), सैम लेविसन, ए ज रोजास, रॉब चिउ, मैट लैम्बर्ट, जोनास लिंस्ट्रोएम जैसे प्रसिद्ध निर्देशकों की फिल्म के लिए काम किया है। म्यूजिक वीडियो, फीचर फिल्म के अलावा रीना यंग ने

कमर्शियल भी शूट किए हैं। 'जोर्डन बियॉन्ड' उनका ऐसा ही एक कमर्शियल है जिसका संदेश है, अपने सपनों का पीछा एक यात्रा की भांति करो, बाधाओं से बचना संभव नहीं है। पर जो भी हो पहला कदम है, सरल कदम- अपने आप में विश्वास। जब आप खुद पर भरोसा करते हो, तो भय पर विजय प्राप्त कर अपनी सीमाओं रास्ते में आए अवरोधों को पार कर तुम उड़ सकते हो।

एक अन्य कमर्शियल है 'माई वे' यह जॉर्जिओ अरमानी के नए इत्र का विज्ञापन है जिसमें अभिनेत्री एड्रिया एर्जोना ने अभिनय किया है।

रीना यंग अपनी तकनीक कुशलता के कारण पहचानी जाती हैं। वे व्यतिरेक, असरदार और टेक्सचुअल विजुअल शैली के लिए जानी जाती हैं। विशेषज्ञ टेक्चर और कॉन्ट्रास्ट को उनकी खासियत बताते हैं। टेक्शुरल भाव कैमरा की गति, लेंस, और कलर ग्रेड से आता है जिसका चुनाव रीना बहुत सावधानी से करती है।

वे स्वयं कहती हैं, 'मैं तकनीक सटीक होने की बनिस्बत इमोटिव इमेजेज सृजन करने में रूचि रखती हूं।' वे कहानी कहने के लिए सिनेमैटिक दृष्टि से थोड़ा अव्यवस्थित रहना पसंद करती हैं। इंटीरियर के लिए वे हेज मशीन का प्रयोग करती हैं। इससे इमेज बहुत शार्प और स्पष्ट नहीं आती है। लेंस पर बैक लाइट डाल कर इमेज के पार प्रकाश की लकीरें अंकित करती हैं। प्रकाश की योजना उनकी विशिष्टता है। वे खूब सारी बैक लाइट और बहुत थोड़ी की लाइट का प्रयोग करती हैं। बैक लाइट में रोशनी का स्रोत पात्र के पीछे से आता है। सामने की रोशनी का कम प्रयोग पात्र के चेहरे पर रिम लाइट का प्रभाव पैदा करता है। जब हाई लाइट डाली जाती है तो रिम लाइट अलग से दीखती है और बाकी पात्र छाया में रहता है। कई दिशाओं से आने वाला प्रकाश कम विरोध पैदा करता है जबकि एक दिशा से आने वाली रोशनी अधिक कॉन्ट्रास्ट पैदा करती है। रीना यंग की सफलता और उनके नाम का एक कारण उनका लोगों से व्यवहार है। वे लोगों से बहुत अच्छा व्यवहार करती हैं, विचार साझा करती हैं, दूसरों की बात सुनती हैं। उनका कहना है कि उन्होंने तकनीक कुशलता और सिनेमाटोग्राफी की कुशलता के साथ एक बहुत महत्वपूर्ण बात सीखी है, वह है, लोगों से सलूक करना।

फिल्म अथवा टीवी सेट पर जो प्रमुख प्रकाश तकनीशियन होता है, उसे फिल्मी भाषा में 'गाफर' कहते हैं। गाफर की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। गाफर लाइटिंग की योजना बनाता है। लाइट सेटअप करता है, जरूरत के अनुसार उपकरणों का इंतजाम करता है। लाइट का एडजस्टमेंट करना उसका काम है, सुरक्षा का दायित्व उसका होता है। रीना हर कदम पर अपने गाफर से सलाह-मशवरा करती हैं। संवाद का नतीजा बेहतर परिणाम होता है। वे मेकअपमैन, हेयरड्रेसर, कोस्ट्यम पर्सन सबसे तालमेल रखती हैं।

वे अधिकतर हैंडहेल्ड कैमरे का प्रयोग करती हैं, जरूरत पड़ने पर डौली का प्रयोग भी करती हैं। जब लम्बे समय तक कैमरा प्रयोग करना होता है तो ईजीरिग का प्रयोग करती हैं। अधिकांश समय रीना एलईडी का उपयोग करती हैं। वे पोस्ट प्रोडक्शन में भी खूब मेहनत करती हैं। 'फायर इनसाइड' फिल्म दो बार ओलम्पिक बॉक्सर विजेता क्लैरेसा शील्ड्स की जीवनी है। इस फिल्म के सिनेमाटोग्राफर के रूप में रना यंग ने मिशिगन के भयंकर ठंड को सच में पकड़ा है। साथ ही वे बॉक्सिंग मैच की बारीकियों, दर्शकों की प्रतिक्रिया को पकडने में कामयाब रह हैं। 55 मिनट की टीवी पर दिखाई 'यूफोरिया' एक ड्रग एडिक्ट रुए बेनेट की कहानी है, जो हाल में रिहैबिलिटेशन सेंटर से लौटी है और लत से दूर रहने का प्रयास कर रही इसे 9 प्राइमटाइम एमी पुरस्कार मिले। है।

उनकी चर्चा सब ओर है, उनका काम हर स्थान पर नजर आ रहा है। वे 12 घंटे काम करते हुए जीवन को संतुलित करने की कला जानती हैं। अभी सिने-जगत को रीना यंग से बहुत उम्मीद है।

भारत-कुवैत संबंध : पुराने रिश्ते नई उड़ान भरने को तैयार

यह विडंबना ही है कि दो देशों के रिश्तों में जब सबकुछ ठीक चल रहा होता है तो अक्सर उनपर ज्यादा ध्यान नहीं जाता है। भारत के प्रधानमंत्री की 43 साल बाद हो रही कुवैत यात्रा को संभवत: यही कारण दिया जा सकता है। शीर्ष स्तर यात्राओं की बात करें तो इससे पहले 1981 में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने कुवैत दौरा किया था और 11 साल पहले 2013 में कुवैती प्रधानमंत्री भारत आए थे।भारत और कुवैत के रिश्ते दोनों देशों की आ ाादी से काफी पुराने रहे हैं। बसरा के प्रसिद्ध मोती जो भारत के धनिकों और राजा-महाराजाओं की शोभा बढ़ाते थे उन्हें जांबाज कुवैती गोताखोर ही निकालते थे और फिर यह मोती बसरा बंदरगाह से भारत लाए जाते थे। वहीं कुवैती कारोबारी लौटते समय अपने साथ मसाले, कपड़े, खाद्य सामग्री और अन्य उत्पाद अपनी नौकाओं में ले जाया करते थे। कुवैत में तेल की खोज से पहले भारत से होने वाला कारोबार, खाड़ी मुल्कों में अपने कौशल के लिए मशहूर कुवैती व्यापारियों की समृद्धि का अहम स्रोत था।हालांकि दोनों देशों के रिश्ते केवल व्यापार तक ही सीमित नहीं थे। कुवैत के अमीर परिवार के लिए बॉम्बे (वर्तमान मुंबई) आना एक बड़ा चाव था। उन्होंने मरीन ड्राइव इलाके में एक प्राइम प्रॉपर्टी भी खरीदी थी जहाँ वे खासतौर पर मानसून के समय आया करते थे। यह प्रॉपर्टी अभी भी मौजूद है। दोनों देशों के लोगों के बीच नजदीकी रिश्ते के कारण ही 1961 में भारत उन पहले देशों में शामिल था जिन्होंने कुवैत के साथ रायजनियक संबंध स्थापित किए।

कुवैत में 70 के दशक के बाद तेल क्षेत्र में कई गुना वृद्धि हुई और तकनीक, शिक्षा, रक्षा और सुरक्षा के लिए कुवैती नितियों का रुख पश्चिम की तरफ ज्यादा हो गया। भारत के साथ कुवैत के रिश्ते तो बरकरार रहे लेकिन उनकी अहमियत पहले जैसी नहीं रही।

बीते दो दशकों में भारत की व्यापक आर्थिक प्रगति और तकनीक, रक्षा जैसे क्षेत्र में बढ़ती क्षमताओं ने भारत-कुवैत संबंधों को आगे बढ़ाने में काफी मदद दी है। भारत के बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव ने भी इसमें अपनी अहम भूमिका निभाई है। दोनों देशों के बीच सालाना द्विपक्षीय व्यापार 10 अरब डॉलर से अधिक बना हुआ है। साथ ही कुवैत में 10 लाख से अधिक भारतीय हैं। यह कुवैत की आबादी में 21 प्रतिशत के साथ सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। कुवैत की कुल वर्कफोर्स में भारतीय समुदाय की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत सेअधिक है। कुवैत भारत के लिए तेल आपूर्ति का छठा सबसे बड़ा स्रोत है और हमारे लिए हमेशा एक भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता रहा है। भारत में कुवैत के संस्थागत निवेशकों का करीब 15 अरब डॉलर का निवेश है। कुवैत के अल घनिम और अल शाया जैसे बड़े उद्योग घरानों ने भारत के साथ पुराने रिश्तों को बरकरार रखते हुए निर्माण और सेवा क्षेत्र में अपना बड़ा निवेश किया है। भारत की भी एल एंड टी, शापूरजी पलोनजी, कल्पतरु, केईसी, ईआईएल, मेघा, अशोक लेलैंड, विप्रो, टाटा समूह, टीसीआईएल और किर्लोस्कर जैसी बड़ी कंपनियों ने कुवैत में अपना निवेश किया है। इसके अवाला कुवैत के वित्तीय क्षेत्र में भारत की एलआईसी, न्यू इंडिया इंश्योरेंस, ओरिएंटल इंश्योरेंस जैसी कंपनियां बीते कई सालों से सक्रिय हैं। कुवैत के साथ भारत के निर्यात ने 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज करते हुए साल 2023-24 में पहली बार 2 अरब डॉलर का आंकड़ा पार किया। वहीं कुवैत में काम करने वाले भारतीय जो धनराशि देश भेजते हैं उसका आंकड़ा 5 अरब डॉलर से अधिक है। कुवैत में भारतीय ब्रांड्स और उत्पादों का महत्व भी कुवैत में लगातार बढ़ रहा है।

हालांकि अभी भारत और कुवैत के संबंधों में बहुत सी संभावनाएं हैं जिन्हें आगे बढ़ाया जा सकता है। जरा गौर करिए- कुवैत जिसका भौगोलिक क्षेत्र, 18000 वर्ग किमी है (भारत के कई जिले इससे अधिक बड़े हैं) उसके पास 105 अरब बैरल से अधिक का तेल है जो दुनिया में छठा सबसे बड़ा तेल भंडार है। कुवैत के सॉवरिन फंड के पास करीब एक खरब डॉलर के निवेश हैं। ऊंची प्रतिव्यक्ति आय के साथ यह उच्च गुणवत्ता के भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए एक अच्छा बाजार है। ढांचागत विपास पर करीब 100 अरब डॉलर की बड़ी खर्च योजना के साथ कुवैत भारतीय कंपनियो के लिए एक बड़ा अवसर है। इसके अलावा धनी कुवैतियों के लिए भारत अच्छे पर्यटन और पोर्टफोलियो निवेश का मौका भी दे सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिसंबर 21-22, 2024 को हो रहा कुवैत दौरा ऐसी तमाम संभावनाओं का रास्ता मजबूत करेगा। हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच हुआ उच्च स्तरीय संवाद इन संभावनाओं को लेकर परस्पर रुचि को साफ दिखाता है। भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर अगस्त 2024 में कुवैत गए थे। वहीं सितंबर 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात न्यूयॉर्क में कुवैत के क्राउन प्रिंस से हुई थी। दिसंबर 2024 की शुरुआत में कुवैत के विदेश मंत्री भी भारत आए थे। बीते कुछ माह में हुआ यह सक्रिय संपर्क बताता है कि भारत और कुवैत के रिश्ते अब एक नई उड़ान के लिए तैयार हैं।

सहारनपुर नगर में बिजली चोरी के खिलाफ चलाए गए अभियान में करीब 30 लाख की बिजली चोरी पकड़ी गई

38 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। सहारनपुर नगर में आज सुबह विद्युत विभाग द्वारा बिजली चोरी के खिलाफ चलाए गए अभियान में तीन कालोनियों में करीब 30 लाख रूपए की बिजली चोरी पकड़ी गई और करीब 38 उपभोक्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने आज बताया कि विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता सुनील कुमार अग्रवाल की अगुवाई में विद्युत विभाग के अन्य बड़े अफसरों और सतर्कता विभाग के एक बड़े दल ने सहारनपुर नगर के मेंहदी सराय, पीर वाली गली और खाताखेड़ी में छापेमारी की गई। दल के साथ पीएसी और पुलिस भी थी। छापेमारी के दौरान कोई प्रतिरोध सामने नहीं आया है। मुख्य अभियंता सुनील कुमार अग्रवाल ने बताया कि बड़े पैमाने पर बिजली चोरी की शिकायतों के बाद आज अभियान की शुरूआत की गई और यह अभियान अभी जारी रहेगा। सुनील कुमार अग्रवाल ने बताया कि उनके अलावा अधीक्षण अभियंता अवधेश कुमार, अविनाश कुमार, अरूण मिश्र और कई एसडीओ इस दौरान साथ रहे। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी के खिलाफ यह अभियान जारी रहेगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे नियमानुसार बिजली के कनेक्शन लें और उपभोग की जरूरत के मुताबिक विद्युत भार बढ़वाएं और अपने बकायों का शीघ्र भुगतान करें। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि बिजली चोरी के खिलाफ आज शुरू किया गया अभियान पूरे जनपद में प्रभावशाली ढंग से चलाया जाएगा।

सहारनपुर में जनपद में पीसीएस परीक्षा कराने के लिए तैयारियां पूर्ण

26 सेक्टर तथा 26 स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात, 11712 अभ्यर्थियों द्वारा किया जायेगा प्रतिभाग

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल के निर्देशानुसार अपर जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 अर्चना द्विवेदी ने बताया कि जनपद में 22 दिसम्बर 2024 रविवार को सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारम्भिक परीक्षा, प्रथम सत्र पूर्वान्ह 09:30 बजे से 11:30 बजे तक एवं द्वितीय सत्र अपरान्ह 02:30 बजे से 04:30 बजे तक दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। परीक्षा जनपद के 26 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी जिसमें से 18 परीक्षा केन्द्र 480 तथा 8 परीक्षा केन्द्र 384 क्षमता के है। डॉ0 अर्चना द्विवेदी ने बताया कि परीक्षा में कुल 11712 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा, जिनमें महिलायें जनपद के बाहर से तथा पुरूष मण्डल के बाहर से प्रतिभाग करेंगें। अभ्यर्थियों के आवागमन सुविधा हेतु ए0आर0एम0 रोडवेज को अतिरिक्त बसों के संचालन के लिए निर्देशित कर दिया गया है। इसके

अतिरिक्त अभ्यर्थियों को रेलवे स्टेशन तथा बस स्टैण्ड से परीक्षा केन्द्रों पर ले जाने व लाने हेतु ए0आर0टी0ओ0 प्रवर्तन को प्रशासन की ओर से टैम्पों, आटो आदि की अतिरिक्त व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया है। उन्होने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्र जनपद कोषागार से 15 किमी0 के दायरे में है। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर 01-01 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं 01-01 स्टेटिक मजिस्ट्रेट कुल 26 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 26 स्टेटिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की जा चुकी है। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि परीक्षा केन्द्रों पर 26 केन्द्र व्यवस्थापकों व 26 सहायक आन्तरिक केन्द्र व्यवस्थापकों एवं 26 बाह्य सहायक केन्द्र व्यवस्थापकों की नियुक्ति कर ब्रीफिंग की चुकी है। ठंड के मौसम के दृष्टिगत प्रतिभाग करने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन तथा अन्य चिन्हित स्थानों पर अलाव की व्यवस्था प्रशासन द्वारा की गई है तथा अभ्यर्थियों के ठहरने हेतु सस्ते दरों पर होटल, लॉज एवं गुरूद्वारा व संघ कार्यालय तथा धर्मशाला आदि की व्यवस्था की जा रही है। परीक्षा केन्द्रों पर यदि किसी अभ्यर्थी की तबीयत खराब हो जाती है तो इसके दृष्टिगत परीक्षा केन्द्रों पर मैडिकल, पैरा मैडिकल स्टाफ की तैनाती की गई है। समस्त परीक्षा केन्द्र सी0सी0टी0वी0 की निगरानी में है। प्रवेश द्वार से लेकर समस्त कक्ष भी सी0सी0टी0वी0 की निगरानी में है, जिसका डायरेक्ट फीडबैक मा0 आयोग द्वारा स्वयं लिया जा रहा है। डॉ0 अर्चना द्विवेदी ने बताया कि परीक्षा को सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्ष एवं शुचितापूर्वक तथा नकल विहीन सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत मा0 आयोग द्वारा एजेन्सी के अतिरिक्त प्रशासन एवं लोकल पुलिस द्वारा सतर्क दृष्टि रखी जायेगी ताकि कोई अनुचित साधन का प्रयोग न कर सके।

यूपी के गाड़ी नम्बर से अलखनंदा बेयर हाउस में यूपी की धान उतारने का वीडियो आया सामने

समिति प्रबंधक कपिलदेव त्रिपाठी के भ्रष्टाचार की खुली पोल, समिति प्रबंधक के इस भ्रष्टाचार पर क्या संज्ञान लेगे जिले के अधिकारी

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना। बिरसिंहपुर क्षेत्र स्थित जैतवारा रोड में संचालित धान खरीदी केन्द्र अलखनंदा बेयर हाउस में मेहुती समिति प्रबंधक कपिलदेव त्रिपाठी द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस खरीदी केन्द्र का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें यूपी 90 टी 7680 पिकअप गाड़ी से धान की बोरी उतारी जा रही थी। मौके पर कुछ पत्रकार पहुंचे और धान के बारे में पूंछने लगे तभी कुछ दलालनुमा लोगों ने बताया कि यह धान मझगवां से आई है। जबकि इस गाड़ी से जो धान की बोरियां उतारी जा रही थीं। उन बोरियों में उत्तर प्रदेश सरकार लिखा हुआ है। अब सवाल यह

उठता कि यूपी के गाड़ी नम्बर की पिकअप से बोरी उतारी जा रहीं है। आखिर कहां से यूपी लिखी बोरियां इस खरीदी केन्द्र में उतारी जा रही हैं। ऐसे में जिला फूड अधिकारी व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को कितने प्रमाण चाहिए। नाम न छापने की शर्त पर किसानों ने बताया कि लगातार यूपी की गाडियां इस खरीदी केन्द्र में आ रही है।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी बृजेश पाण्डेय की शह पर चल रहा खेल
कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी बृजेश पाण्डेय लगातार इस क्षेत्र के खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। और लगातार अमानक धान व यूपी की धान बिक रही है। लेकिन इसके बाद बृजेश पाण्डेय चुप्पी साधे हुए हैं। सूत्रों की मानें तो यूपी की धान खरीदी केन्द्र का पूरा खेल कनिष्ठ अधिकारी की शह पर चल रहा है। अलखनंदा खरीदी केन्द्र में भी निरीक्षण करने कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी गये थे। लेकिन साहब को यूपी की धान नहीं दिखी।

अब प्रशासन गांव की ओर थीम को लेकर अभियान

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना। एक के बाद एक अभियान चलाए जा रहे हैं जिससे लोगों को इसके लाभ मिल सकें। परंतु लोगों की समस्याएं फिर भी अटकी हुई हैं। जिले में प्रशासन गांव की ओर थीम को लेकर लोक शिकायतों के निवारण और सेवा वितरण में सुधार के लिए राष्ट्व्यापी सुशासन अभियान शुरू हो चुका है। यह अभियान 24 दिसम्बर तक चलेगा। यह अभियान सुशासन गतिविधियों के हिस्से के रूप में, प्रशासन गांव की ओर, लोक शिकायतों के निवारण और सेवा वितरण में सुधार के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।वर्चुअल समारोह के माध्यम से इस अभियान की शुरूआत की गई। इसमें सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सभी मुख्य सचिवों, एआर सचिवों और कलेक्टर्स शामिल हुए। सतना

जिले से कलेक्टर अनुराग वर्मा ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सचिव डीएआरपीजी तथा महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, असम और बिहार के मुख्य सचिवों ने अभियान उद्घाटन वेबिनार को संबोधित किया। इस अभियान के तहत जन शिकायतों के निराकरण के लिये शिविरों का आयोजन किया जायेगा। यह शिविर जन कल्याण अभियान के तहत आयोजित शिविरों के साथ साझा किये जायेंगे। राज्य के पोर्टलों में जन शिकायतों का निवारण किया जायेगा। सेवा वितरण आवेदनों का निपटारा भी अभियान में होगा। जन शिकायतों के समाधान और सफलता की गाथा पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। अभियान के तहत 23 दिसंबर को सुशासन प्रथाओं पर कार्यशाला आयोजित की जायेगी। कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने बताया कि सुशासन अभियान को लेकर सतना जिले में कार्ययोजना बनाकर जन शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। जन शिकायतों के लिये शिविर आयोजनों का सिलसिला शुरू किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायतवार और शहरी क्षेत्र में वार्डवार शिविर लगाये जा रहे है। सभी अधिकारियों को निर्देश दिये गये है कि वे अभियान के अंतर्गत आमजनों की शिकायतों का समय-सीमा में सकारात्मक रूप से निराकरण सुनिश्चित करें।

अंतर्विभागीय सत्यापन रिपोर्ट दिसंबर माह के अंत तक कराएं उपलब्ध - जिलाधिकारी मनीष बंसल

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला पर्यावरण एवं गंगा समिति की बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावरण, वृक्षारोपण और गंगा समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जनपद में हुए पौधरोपण की समीक्षा करते हुए जियो टैगिंग पूर्ण करने के निर्देश उन सभी विभागो को दिए जिन्होंने अभी तक शत प्रतिशत टैगिंग नहीं की। उन्होंने वृक्षारोपण 2024 के दौरान लगाए गए पौधों का अंतर्विभागीय सत्यापन कर रिपोर्ट दिसंबर माह के अंत तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पौधों का सेल्फ वेरिफिकेशन करने के बाद 05 जनवरी तक रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। उन्होंने प्लास्टिक एकत्रीकरण में कम प्रगति पर अधिशासी अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए अगली बैठक में प्लास्टिक एकत्र कर कहां पर दी गई है उसकी जानकारी लाने के निर्देश दिए। डीएम मनीष बंसल ने जनपद में प्लास्टिक का एकत्र करने के लिए चलाए जा रहे अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। सभी स्कूलों में माह में एक दिन श्रमदान का कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को पुरस्कृत भी किया जाये। जिलाधिकारी ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के खुले मैदानों में पड़े वेस्ट प्लास्टिक को एकत्रित करने के निर्देश दिए। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत समस्त ब्लॉक, वार्ड एवं गांव में प्लास्टिक एकत्र करने का अभियान चलाया जाए जिसमें समस्त विभाग के अधिकारियों की सहभागिता भी रहे। उन्होंने और अधिक वेस्ट प्लास्टिक कलेक्शन के लिए नगर निगम, निकाय, ब्लॉक और ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए। इसके साथ उन्होंने एकत्रित प्लास्टिक की शवयात्रा निकालने के भी निर्देश दिए। इकठ्ठा प्लास्टिक का निस्तारण करने के लिए नगर निगम को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने डीएफओ और डीपीआरओ को निर्देशित किया कि कैलाशपुर वेटलैंड की सफाई एवं सौंदर्यकरण के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाते हुए डीपीआर तैयार कराएं। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों का वेतन रोकने के भी निर्देश दिए। बैठक में डीएफओ शुभम सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक कुमार, अधिशासी अधिकारियों सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की बैंच का कोई प्रस्ताव केंद्र के विचाराधीन नहीं - इमरान मसूद

सुरेंद्र सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, सहारनपुर के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने आज यहां कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की बैंच खंडपीठ बनाने का कोई प्रस्ताव केंद्र सरकार के विचाराधीन नहीं है। इमरान मसूद ने वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल से खास बातचीत में कहा कि उन्हें शुक्रवार 20 दिसंबर को केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उनके द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट की ओर से खंडपीठ स्थापित करने का प्रस्ताव मिलना आवश्यक है और राज्य सरकार एवं राज्यपाल की सहमति भी जरूरी है। उसी हालत में पश्चिमी उत्तर प्रदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट की बैंच बनाया जाना संभव होगा। इमरान मसूद ने कहा कि उन्होंने लोकसभा में यह सवाल किया था कि बसपा और सुलभ न्याय मिलने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की बैंच का बनाया जाना बहुत ही आवश्यक है और लंबे अर्से से पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जनता एकजुट होकर इसकी मांग करती आ रही है। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर,

मेरठ,गाजियाबाद आदि जनपदों से बहुत दूरी पर है। गरीब और आम जनता को इलाहाबाद जाने में भारी परेशानी उठानी पड़ती है। ऐसी सूरत में केंद्र सरकार को चाहिए कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की बैंच स्थापित कराए। इमरान मसूद ने केंद्रीय न्यायमंत्री का जवाब मिलने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की कि वे अपने स्तर से बैंच स्थापित करने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई कराएं। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जनता को आसानी से और सस्ते में न्याय मिल सकेगा

एक दिवसीय सदगुरू युविया कार्यशाला में देश विदेश के नेत्र विशेषज्ञों ने लिया हिस्सा

युविया कार्यशाला में 150 नेत्र विशेषज्ञों ने किया प्रतिभाग

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, संत रणछोड़दास जी महाराज जी द्वारा स्थापित अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध संस्थान सदगुरु नेत्र चिकिसालय चित्रकूट में एक दिवसीय नेत्र चिकित्सकीय रेटीना/युविया कार्यशाला का भव्य आयोजन हुआ । इस कार्यशाला में देश विदेश के लगभग 150 से अधिक नेत्र चिकित्सकों ने प्रतिभागिता किया इस कार्यशाला का विषय रेटीना/यूविया अर्थात आंख के अंदरूनी हिस्से में सूजन की बीमारी पर आधारित था, जिसमें आये नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विशेषज्ञों ने अपने अनुभव, नवीन शोध एवं नवाचार पर चर्चा की , जिसका मूल उद्देश्य नेत्र रोगियों को गुणवत्तायुक्त चिकित्सा उपलब्ध कर भारत में अंधत्व निवारण को गति प्रदान करना है । कार्यशाला की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं गुरु पूजन के साथ किया गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ पी सी द्विवेदी मेडिकल कॉलेज रीवा, सदगुरू नेत्र चिकित्सालय के डायरेक्टर डॉ बी के जैन, डॉ इलेश जैन , रूपेश अग्रवाल सिंगापुर, प्रो दीपांकर नंदी, डॉ उमा नांबियार, डॉ कल्पना बी मूर्ति,डॉ. आलोक सेन, डॉ. राकेश शाक्या, डॉ. नरेंद्र पाटीदार, डॉ. गौतम सिंह परमार, डॉ. राजेश जोशी, डा अमृता मोरे सहित सदगुरु नेत्र चिकित्सालय के समस्त चिकित्सक उपस्थित रहे एवं वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रो अमोद गुप्ता व प्रो अमन शर्मा जुड़े रहे। वहीं सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय के डायरेक्टर डॉ बी के जैन एवं प्रशासक डॉ इलेश जैन ने इस एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान अपने संबोधन में कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं समय समय पर होती रहना चाहिए इससे आपस में एक दूसरे के अनुभव साझा होते रहते है जिसका फायदा सीधे नेत्र रोगियों को मिलता है और हर नेत्र विशेषज्ञ का एक ही उद्देश्य होता है नेत्र रोगियों का बेहतर से बेहतर ईलाज करना और ये सब संभव तभी होता है जब हम इसी तरह की कार्यशालाओं के माध्यम से आपस में एक दूसरे से अपने अपने अनुभव साझा करते है। वहीं सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय के रेटीना विभाग के वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डा आलोक सेन ने कहा कि, इस दो दिवसीय कार्यशाला में देश विदेश से आए सभी चिकित्सकों की सहभागिता से हमें सभी को अपने-अपने अनुभव और ज्ञान का आदान प्रदान करने का अवसर प्राप्त हुआ । सभी की उपस्थिति से नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में यह मील का पत्थर साबित होगी, हम सभी एक दूसरे के अनुभवों से लाभान्वित हुए है । मुझे प्रसन्नता है कि, आज देश विदेश के नामचीन चिकित्सक यहाँ पधारे एवं इस कार्यशाला को सफल बनाया, । वही कार्यशाला के समापन के दौरान कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले सभी नेत्र चिकित्सकों को सदगुरू नेत्र चिकित्सालय के डायरेक्टर डा बी के जैन द्वारा साल,पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

खेत में रखी लाखों की धान की फसल गहाने से अनावेदक कर रहे मना

पीड़ित शंकर नगपुरे की शिकायत पर अपराध पंजीबद्ध होने पर भी नहीं हुई कार्यवाही

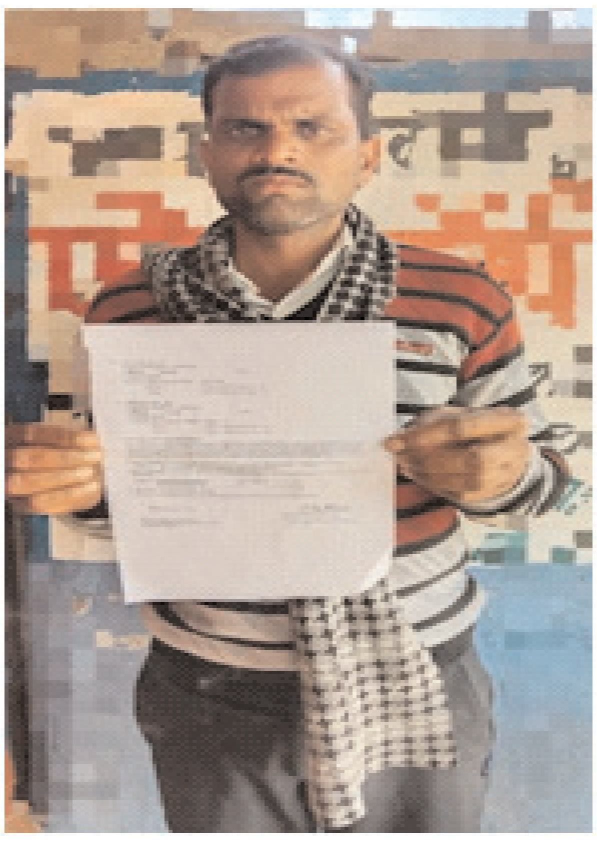

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, नगर मुख्यालय अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मोहगांव (धपेरा) के ग्राम खोंगाटोला में कृषक शंकर नगपुरे कि खेत में रखी लाखों रुपए कि धान कि फसल रखें-रखें बर्बाद हो रही है, गांव के हि चचेरे भाईयों के द्वारा आवेदक शंकर नगपुरे को खेत में रखी फसल को गहाने नहीं दिया जा रहा है,अनावेदकों के द्वारा आवेदक शंकर नगपुरे को फसल गहाने पर जान से मारने कि धमकी दी जा रही है।वहीं आवेदक शंकर नगपुरे के द्वारा उक्त घटना कि शिकायत लालबर्रा पुलिस से 19/12/2024 को कि गई है। वहीं शिकायत में लेख है कि दिनांक 19 दिसम्बर को सुबह 6 बजे आवेदक शंकर नगपुरे ट्रैक्टर थ्रेसर लेकर अपनी धान कि फसल गहाने अनावेदक कि खेत पर से जा रहा था तो आवेदक का काका भाई नीलम नगपुरे,अनिल नगपुरे, शीला नगपुरे,हिरकन नगपुरे खेत में मिले और मुझे व ट्रैक्टर वाले को मारपीट करने को बोलकर अपने खेत से ट्रैक्टर थ्रेसर नहीं ले जाने देते हैं वर्षों से ही मेरे खेत में आने जाने का रास्ता वहीं से है मैं अपने खेत में रखी धान कि खरी कि गहानी नहीं कर पा रहा हूं,मेरे काका भाई आये दिन मुझे खेत में आने जाने को लेकर झगड़ा विवाद करते हैं घटना को ट्रैक्टर वाले दुर्गा जी बसेने,चंद्रपाल बसेने,तिजेश बसेने,ने देखे हैं वहीं आवेदक कि शिकायत पर लालबर्रा पुलिस ने अनावेदकों पर धारा 352 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। वहीं अब देखना यह है कि पुलिस से आवेदक शंकर नगपुरे को न्याय मिलेगा..,क्या समय पर आवेदक अपनी लाखों रुपए कि धान कि फसल गहा पायेगा,आवेदक कि लाखों रुपए कि फसल रखें-रखें बर्बाद हो रही है,क्या भविष्य में आवेदक को अपने खेत आने-जाने हेतु रास्ता मिल पायेगा,यह तो भविष्य ही बताएगा कि किस तरह से आवेदक को न्याय मिलता है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया का गढ़वाल समाज ने किया अभिनंदन

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा। भारतीय जनता पार्टी लालबर्रा के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया का कटंगटोला स्थित वरिष्ठ समाजसेवी अनिरुद्ध बेलजी के निवास पर शुक्रवार को गढ़वाल समाज लालबर्रा की ओर से गरिमामय अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में समाज के प्रमुख सदस्यों ने श्री अवधिया का पुष्पमालाओं से स्वागत किया और उनके उवल भविष्य की कामना की। उनके आगमन पर आतिशबाजी कर उत्साह प्रकट किया गया। समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी संजय अग्रवाल,चन्द्रकुमार बसेने और भाजपा नेता राजेन्द्र परिहार भी मौजूद रहे। अभिनंदन समारोह के दौरान प्रसन्न अवधिया ने गढ़वाल समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, आप सभी के स्नेह और समर्थन से मैं अभिभूत हूं। यह सम्मान मेरी जिम्मेदारियों को और अधिक बढ़ाता है। मैं वादा करता हूं कि आपके विश्वास को बनाए रखने और समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्यरत रहूंगा। उन्होंने गढ़वाल समाज की एकजुटता और सामाजिक योगदान की भूरी-भूरी प्रशंसा की। गढ़वाल समाज के पदाधिकारियों ने प्रसन्न अवधिया के प्रति विश्वास प्रकट करते हुए कहा कि उनका नेतृत्व भाजपा संगठन को मजबूती प्रदान करेगा और समाज के सभी वर्गों के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगा। समाज के वरिष्ठ सदस्य प्रदीप सूर्यवंशी ने कहा, प्रसन्न अवधिया जैसा कर्मठ और दूरदर्शी नेता संगठन के लिए वरदान है। उनकी नीतियां और विचार समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाले हैं। जनपद सदस्य हरिशंकर बनवाले (मुन्ना भैया) ने भाजपा संगठन और गढ़वाल समाज के बीच समन्वय और सहयोग को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता,स्थानीय कार्यकर्ता,और गढ़वाल समाज के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह का माहौल उत्साह और गरिमा से भरपूर था। अंत में गढ़वाल समाज ने एक स्वर में कहा कि वे प्रसन्न अवधिया के हर कदम पर उनके साथ खड़े रहेंगे और संगठन व समाज के विकास के लिए एकजुट होकर कार्य करेंगे। श्री अवधिया के अभिनंदन के पूर्व गढ़वाल समाज के वरिष्ठ सदस्य प्रदीप सूर्यवंशी का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर गढ़वाल समाज लालबर्रा के अनिल ब्रम्हे, शरद धानेश्वर,लिखीराम हरिन्द्रवार,संतोष ब्रम्हे, चन्द्रकुमार ब्रम्हे,संतोष नागेश्वर, सचिन चावले,पिंटू नागेश्वर, आकाश नागेश्वर,नन्दकिशोर बंशपाल,कृष्णा बनवाले,राजेश बनवाले,शैलेष कुमार,रोहित नागवंशी,संजू बनवाले,कार्तिक बनवारी,आशीष बेलजी,आकाश परिमल,कुणाल गुनेश्वर,कृष्णा नागेश्वर,प्रमोद बनवाले,हर्ष बनवाले,अनिरुद्ध बेलजी, विघ्नेश बनवारी,हितेश नागेश्वर, राजकुमार दीवान,रामकिशोर बंशपाल,श्रीमती भारती सूर्यवंशी, श्रीमती माया बनवारी,श्रीमती ललिता बेलजी,श्रीमती समुद्रीबाई गोयल,श्रीमती किसनीबाई बनवारी,श्रीमती बेनबाई नागेश्वर,श्रीमती अंजना बनवारी,श्रीमती मधु नागेश्वर, श्रीमती दीपा अजीत,श्रीमती रजनी बेलजी,श्रीमती दीपशिखा नागेश्वर,कु.वंशिका बनवारी,कु. संस्कृति बनवारी, कु.आन्या सूर्यवंशी आदि उपस्थित रहे। समारोह की सम्पूर्ण व्यवस्था पिंटू (राकेश) नागेश्वर एवं आकाश नागेश्वर ने संभाली।

दिव्यांग छात्रावास में गर्म कपड़ों का हुआ वितरण

दिव्यांग बच्चों ने ढोलक मंजीरे के साथ गाया स्वागत गीत

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना। गौरतलब है कि बीते वर्षों से शहर के वरिष्ठ समाज सेवी श्री योगेश शर्मा द्वारा दिव्यांग बच्चों को गरम कपड़ों का वितरण किया जाता रहा है उसी तारतम्य में आज पुन: सिविल लाइन स्थित दिव्यांग छात्रावास में गर्म कपड़ों का वितरण किया गया जिसमें छात्राओं ने ढोल मजीरे के साथ स्वागत गीत गा कर स्वागत किया जो प्रस्तुति निश्चित ही मनमोहक रही, छात्रावास की अधीक्षिका एकता सिंह ने बताया कि छात्रावास में लगभग 60 बच्चियां है जिन्हें बौद्धिक और शारीरिक रूप से उत्कृष्ट बनाना हमारी पहली प्राथमिकता है आगे वे बताती है,कि बच्चे जब छुट्टी में जाते है तब हम नियमित रूप से बच्चों के अभिभावकों को यह प्रशिक्षण देते है की घर मे भी बच्चो के साथ सामान्य बच्चों की तरह ही व्यवहार किया जाय। कार्यक्रम में मुख्यरूप से अमित अवस्थी,प्रणय धाराधर,ललितमोहन सिंह,भूपेश दयाल सिंह एवम छात्रावास के राजकुमार सिंह,ममता वर्मा, किरण खरे के साथ विद्यालय के गणमान्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

शहर के आलमगंज और सरदार पटेल वार्ड में मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना के तहत शिविरों का किया गया आयोजन

बुरहानपुर मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन डॉ मोहन यादव की महत्वपूर्ण योजना मुख्यमंत्री जन कल्याण के आयोजन मध्यप्रदेश शासन द्वारा दिनांक 11 दिसंबर 2024 से 26 जनवरी 2025 तक मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान तहत जनकल्याण पर्व का आयोजन किया गया है। इस क्रम में निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ने शिविरों का निरीक्षण के समय बताया कि स्वच्छता सुविधा एलपीजी गैस कनेक्शन पी एम स्व निधि आयुष्मान कार्ड आवश्यक वित्त सेवाएं आवास सुरक्षा जैसी लोक हितग्राही योजना के लक्ष्य प्राप्ति के लिए स्थानीय नगर निगम द्वारा डाटा तैयार कर एवं राज्य सरकार की गरीब कल्याण योजना के लिए हम संकल्पित होकर लक्ष्य प्राप्ति का प्रमुख उद्देश्य पूर्ण किया जाएगा।शुक्रवार को नगर निगम द्वारा वार्ड न 17 आलमगंज तथा 18 सरदार पटेल वार्ड के के एम पी स्कूल के भवन में शिविरों का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा गरीब के कल्याण एवं विकास के लिए दृढसंकल्पित होकर प्रयास किया जाना मुख्य उद्देश्य है। भारत सरकार और राज्य सरकार की हितग्राही मूलक योजनाओं में तथा लक्ष्य प्रदान की गई योजनाओं जैसे स्वच्छता सुविधाए, एल.पी.जी. गैस कनेक्सन, पी. एम.स्वनिधि, 70 प्लस आयुष्मान कार्ड, भवन निर्माण श्रमिक के आयुष्मान कार्ड, आवश्यक वित्त सेवांए, आवास सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ सेवाएं स्वास्थ परिक्षण, स्वच्छ पेयजल नवीन नल कनेक्सन, आधार अपडेशन, पेंशन ई-के वाय सी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र, फायर एन.ओ.सी., ट्रेड लायसेंस, आदि के हितग्राहियो को हितलाभ प्रदान किया गया तथा शिविर में उपस्थित हितग्राही से बात कर विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया शिविर में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक अलग अलग योजनाओं

वार्ड न 17 आलमगंज तथा वार्ड न 18 सरदार पटेल वार्ड कुल 93 आवेदन शिविरों में हितग्राहियों से प्राप्त हुए हैं। सभी आवेदनों को इनके स्वीकृति की कार्यवाही जारी है। शिविर में निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव, शिविर प्रभारी गोपाल महाजन,संतोष गोकुल आमोदे यशवंत, राजेंद्र बैगा आदि निगम अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बदनावर में होगा श्याम बाबा का भव्य कीर्तन एवं 551 हनुमान चालीसा वितरण

बदनावर. बदनावर में बाबा खाटू श्याम जी का भव्य कीर्तन दिनांक 23 दिसंबर सोमवार को रात्रि 8 बजे से प्रभु इच्छा तक कीर्तन स्थल भेरू उखलिया चौराहा बदनावर रहेगा जिसमें बाबा का भव्य दरबार सजाया जाएगा आलौकिक श्रृंगार, पुष्प वर्षा,इत्र वर्षा, श्री खाटू श्याम दरबार सेवा बदनावर की ओर से बाबा का दरबार सजाया जाएगा म्यूजिक-श्री कृष्णा म्यूजिकल ग्रुप नागदा रहेंगे कीर्तन के साथ ही 551 हनुमान चालीसा नि: शुल्क वितरण किया जाएगा अलग,अलग स्थानों से भजन गायक कलाकार अपने सु मधुर भजनों की प्रस्तुति देने आ रहे हे भजन गायक कलाकार अशोक मकवाना बड़नगर , भजन गायिका पायल वैष्णव रतलाम, भजन गायक रितेश शर्मा बड़नगर यह आयोजन - श्री श्याम परिवार बदनावर की ओर से आयोजित किया जा रहा है

इंदौर में कड़ाके की ठंड में सड़क पर डटे स्टूडेंट्सः नेता प्रतिपक्ष बोले- इनकी मांगें जायज, सीएम जल्द निर्णय लें... मौके पर एडीएम से की बात

इंदौर एमपीपीएससी अभ्यर्थियों का प्रदर्शन: चौथा दिन इंदौर में प्रदर्शन कर रहे एमपीपीएसी के अभ्यर्थियों को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने समर्थन दिया और सरकार से इनकी मांग पूरी करने की मांग की। इंदौर में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन शनिवार को लगातार चौथे दिन भी जारी है। करीब 2 हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स कड़ाके की ठंड के बीच एमपीपीएससी के दफ्तर के सामने डटे हैं। शनिवार रात में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी यहां पहुंचे। उन्होंने स्टूडेंट्स की मांगों को जायज बताया और सरकार से इन्हें जल्द पूरा करने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष ने मौके पर एडीएम रोशन राय से भी बात की। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट्स की मांगों को लेकर आपको सरकार से बात करनी चाहिए। सिंघार ने आमरण अनशन पर बैठे दो अभ्यर्थियों से भी मुलाकात की और उनकी बात सुनी। बता दें कि गुरुवार रात से आमरण अनशन पर बैठे अरविंद सिंह भदौरिया की हालत शनिवार को बिगड़ गई और वे बेहोश हो गए। जिसके बाद उन्हें ड्रीप चढ़ाई गई। अरविंद के साथ स्टूडेंट लीडर राधे जाट भी आमरण अनशन पर हैं। स्टूडेंट्स की मांगे वाजिब, सीएम को बात करनी चाहिए नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि इनकी मांग वाजिब है। पिछले कुछ दिनों से धरने पर बैठे हैं, कुछ अनशन पर बैठे हैं। मध्यप्रदेश सरकार को, सीएम को इनसे बात करना चाहिए। क्या परेशानी है इन्हें कॉपी दिखाने में। क्यों नहीं दिखाना चाहते सरकार बताए। प्रश्न गलत क्यों देते हैं। पारदर्शिता होना चाहिए। जिस प्रकार से इंटरव्यू में गड़बड़िया हो रही हैं, इसे तत्काल बंद कराए, नहीं तो अलगे सत्र में सदन नहीं चलने देंगे। सिंघार ने कहा- मैंने यहां एडीएम रोशन जी को भी कहा है कि तत्काल यहां पर एंबुलेंस और डॉक्टर की व्यवस्था करें। कल से कुछ कैजुअल्टी होता है तो सरकार की जवाबदारी रहेगी। कलेक्टर और एडीएम से भी बात हुई है। मैं समझता हूं कि आज ही निराकरण होगा, नहीं तो धरना चालू रहेगा। इससे पहले शनिवार को ही रतलाम के सैलाना से भारतीय आदिवासी पार्टी के विधायक कमलेश्वर डोडियार और धार के मनावर से विधायक डॉ. हिरालाल अलावा भी छात्रों की मांगों के समर्थन में यहां पहुंचे थे।

स्टूडेंट्स बोले- हमसे बात करने कोई नहीं आया ये प्रदर्शन नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन के नेतृत्व में हो रहा है। यूनियन सदस्य रणजीत किसानबंशी ने कहा 卐आज दिनभर न तो प्रशासन का कोई व्यक्ति और न ही आयोग का कोई प्रतिनिधि बातचीत करने को तैयार हुआ। हम चाहते थे कि कोई बातचीत करे। इससे पहले तीन दिन तक बातचीत हुई, लेकिन वह बेनतीजा रही। शुक्रवार शाम को भी दो घंटे बातचीत हुई। आयोग और प्रशासन के अधिकारी मानते हैं कि हमारी मांगे जायज हैं, लेकिन जब बात सचिव तक पहुंची, तो उन्होंने हमारी मांगें मानने से इंकार कर दिया।卐

आंदोलन को खत्म करने की हो रही कोशिश रणजीत किसानबंशी ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार बलपूर्वक इस आंदोलन को खत्म करना चाहती है। प्रशासन इसमें षड्यंत्र कर रहा है। अशांति फैलाने के लिए साजिश रची जा रही है। कुछ ऐसे लोग आ रहे हैं, जिन्हें हम नहीं जानते और वे अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हमारा शांतिपूर्ण आंदोलन जारी है। आज दंडवत यात्रा निकलने वाली थी, जिसे कैंसिल कर दिया गया। अब इसे कल निकाला जाएगा।

सुशासन सप्ताह, प्रशासन गांव की ओर और मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान का क्रियान्वयन जारी

विदिशा

विदिशा विधायक ने लाखों की लागत के निर्माण कार्यों की सौगातें दीं

अभियानों के उद्देश्यों से अवगत कराया गया

केन्द्र एवं राज्य सरकार की मंशानुरूप विदिशा जिले में सुशासन सप्ताह तहत प्रशासन गांव की ओर अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके लिए कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा विशेष प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को ग्रामों का आवंटन कर आयोजन की जवाबदेही उन्हें सौंपी है। विदिशा जिले की सभी सातों जनपद पंचायतों की ग्राम पंचायतों में निर्धारित रुट अनुसार तय तिथि में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। विदिशा जनपद पंचायत के ग्रामों में शनिवार को आयोजित शिविरों में विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन शामिल होकर आयोजन के उद्देश्यों को रेखांकित कर ग्रामीणों को इसकी महत्वत्ता और उपयोगिता को सांझा किया है। विधायक श्री टंडन ने ग्रामों के भ्रमण दौरान लाखों की लागत से पूर्ण कराएं गए निर्माण कार्यों को लोकार्पित किया वहीं अनेक कार्यो का भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ कराया है। शनिवार को ग्राम पंचायत मूडरा हरिसिंह ग्राम ककरूआ, ग्राम पंचायत किरमची बंधेरा, ग्राम बंधेरा एवं ग्राम पंचायत पांझ में जनकल्याण शिविर आयोजित किए गए थे। विधायक श्री मुकेश टंडन ने शिविरों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार का एक ही ध्येय कोई भी योजना का पात्रता धारी हित लाभ से वंचित ना हो पाए। विधायक श्री टंडन ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा प्रदेश के गरीबों और असहायों के लिए विशेष कार्यक्रम संचालित किया जा रहे हैं उन्होंने लाड़ली लक्ष्मी योजना सहित महिलाओं के उत्थान हेतु संचालित अन्य योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गांव की तरक्की में महिलाओं का योगदान अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अब हम सब की नैतिक जवाबदेही भी है कि शासन की योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन में परिवर्तन लाएं और आर्थिक रूप से स्वयं सफल हो और ऐसी ही प्रेरणा ग्राम के अन्य नागरिकों को दें उन्होंने क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों को भी विस्तारपूर्वक सांझा किया है कार्यक्रम को जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री रघुवीर सिंह रघुवंशी, जिला पंचायत सदस्य श्री धनराज दांगी ने भी संबोधित किया। इससे पहले एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा ने सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासन गांव की और के उद्देश्यों को रेखांकित किया और उसकी उपयोगिता को सार्थक करने के लिए ग्रामीणों से आह्वान किया कि वह अपनी समस्याएं जरूर बताएं वही ऐसी कोई व्यक्ति जो योजनाओं के हित लाभ से अब तक वंचित रह गए हैं उन्हें शिविर स्थल पर जरूर लाएं ताकि लाभान्वित करने के तमाम उपायों की पूर्ति हो सके।

लोकार्पण - भूमिपूजन - विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने आज शनिवार को ग्राम पंचायत मूडरा हरि सिंह में 20 लाख रुपए राशि का सामुदायिक भवन एवं 45 लाख रुपए की राशि का उप स्वास्थ्य केंद्र का भूमि पूजन किया एवं ग्राम पंचायत किरमची बंधेरा में 20 लाख रुपए राशि के सामुदायिक भवन का भूमि पूजन एवं 12 लाख रुपए की राशि के सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया तथा ग्राम पंचायत पांझ में दो सामुदायिक भवन 20 लाख एवं 2 लाख राशि का भूमि पूजन एवं 15 लाख रुपये की ग्रेवल रोड का लोकार्पण किया है।

हित लाभों का वितरण - सुशासन सप्ताह के अंतर्गत आयोजित प्रशासन गांव की ओर एवं मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के शिविर संयुक्त रूप से आयोजित किये जा रहे हैं। इन शिविरों में आवेदकों की व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं के निदान की पहल तो की जा रही है साथ ही साथ मौके पर विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों को अतिथियों द्वारा हित लाभ का वितरण किया जा रहा है। शनिवार को विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने आयोजित शिविरों में शामिल होकर लाडली लक्ष्मी योजना के स्वीकृति पत्र के अलावा राजस्व ,सामाजिक न्याय, उद्यानिकी तथा कृषि विभागों की योजनाओं से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों को मौके पर हित लाभ का वितरण किया है।

विभागीय स्टालों से समाधान - प्रशासन गांव की ओर की तहत आयोजित शिविरों में विभिन्न विभागों के स्टॉल ग्राम पंचायत में एक साथ आयोजित किये जा रहे हैं इन शिविरों में जिला व खंड स्तरीय अधिकारी स्वयं मौजूद रहकर स्थानीय ग्रामीणों की मूलभूत समस्याओं से अवगत होते हैं साथ ही निराकरण के प्रबंध सुनिश्चित किया जा रहे हैं इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा मरीज के परीक्षण की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं वहीं जरूरतमंदों के आयुष्मान कार्ड बने इसके लिए पृथक से प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर योगेश तिवारी ने बताया कि विदिशा जिले में विदिशा जनपद पंचायत में आज संपन्न हुए विशेष शिविर में 46 नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया पूरी की गई है वहीं 70 प्लस या इससे अधिक आयु के 35 नागरिकों के भी आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य किया गया है।

सैकड़ों आवेदनों का निराकरण - विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा ने बताया कि अनुविभाग क्षेत्र के ग्रामों में आज संपन्न हुए प्रशासन गांव की ओर अभियान तहत शिविरों में विभिन्न विभागों से संबंधित प्राप्त आवेदनों का निराकरण मौके पर कराए जाने के प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे। आज क्षेत्र में कुल 340 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसमें से मौके पर 210 आवेदनों का निराकरण किया गया है। आज संपन्न हुए शिविरो में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी भरत सिंह राजपूत जनपद सीईओ राजेन्द्र जैन तहसीलदार, नायब तहसीलदार के अलावा अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा खंड स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे वहीं ग्रामीणों ने भी शिवरों में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया है।

पेटलावद ब्लॉक में विश्व ध्यान दिवस पर किया योग व ध्यान

पेटलावद- प्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन पर जिला समन्वयक भीमसिंह डामोर और विकास खंड समन्वयक प्रवीण पंवार के निर्देश पर पेटलावद ब्लॉक के अनेको पंचायतो मैं नवांकुर संस्था प्रभारीयो , मेंटर्स, प्रस्फुटन समिति के सदस्यों और बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू छात्र छात्राओं के माध्यम से पेटलावद ब्लॉक के समस्त सेक्टरों की ग्राम पंचायतों और विद्यालयों में ध्यान व योग का आयोजन करवाया गया। जिसमें ध्यान के फायदे के बारे में बताया गया तथा प्रतिदिन हमें ध्यान करना चाहिए इससे अनेकों लाभ होता है इस प्रकार से जानकारी दी गई ।।

जिले के सभी उपार्जन केंद्रों का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

सीधी

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार शनिवार 21 दिसंबर को सीधी जिला के 42 उपार्जन केंद्रों का एक साथ आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण राजस्व विभाग के तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सहकारिता विभाग के सहकारिता निरीक्षक, खाद्य विभाग के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी तथा उपायुक्त सहकारिता, मुख्य कार्यपालन अधिकारी केंद्रीय सहकारी बैंक, वेयरहाउसिंग के प्रबंधक के द्वारा किया गया। जिला आपूर्ति अधिकारी नागेंद्र सिंह ने जानकारी देकर बताया कि कलेक्टर महोदय को लगातार उपार्जन केंद्रों से निर्धारित मात्रा से अधिक धान लेने और कम मात्रा में धान लेने की शिकायत प्राप्त हो रही थी। जांच में बहुत से केंद्रों में कम मात्रा में तौल करते पाया गया। जांच निर्धारित बिंदुओं में करवाया गया जिन उपार्जन केंद्रों में अनियमितता पाई गई है उनके खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जावेगी। विस्तृत रिपोर्ट आने पर प्रकरण पंजीबद्ध होंगे। उन्होंने बताया कि यह जांच अब लगातार उपार्जन का कार्य बंद होने तक जारी रहेगी।

जिले की 79 हायर सेकेंडरी विद्यालयों में हो रहा काउंसलिंग मेले का आयोजन

नरसिंहपुर

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान अंतर्गत छात्र-छात्राओं के कैरियर के प्रति जागरूक करने और विभिन्न विधाओं में उपलब्ध संभावनाओं की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से जिले की 79 हायर सेकेंरी विद्यालयों में कैरियर काउंसलिंग मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तरीय काउंसलिंग दल के सहायक एपीसी समग्र शिक्षा श्री दीपक अग्निहोत्री ने बताया कि कैरियर काउंसलिंग मेले में जिला स्तरीय काउंसलर दल, मास्टर ट्रेनर एवं समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी छात्र- छात्राओं को कैरियर के विभिन्न विकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दे रहे हैं। शाउमावि सिंहपुर बड़ा व वनवारी, झांसीघाट-खमरिया एवं इमलिया (कामती) और पीएमश्री शाउमावि करकबेल सहित जिले के सभी हायर सेकेण्डरी विद्यालयों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और कैरियर के कई विकल्प बताये जा रहे हैं। मास्टर ट्रेनर द्वारा विभिन्न विधाओं में छात्रों को उनकी रूची और क्षमताओं के आधार पर सही दिशा चुनने के लिये प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही काउंसलर द्वारा छात्रों को अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए एवं कैरियर का चयन किस प्रकार करें इस संदर्भ में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।

भगवानपुरा जनपद में एक दिवसीय आनंद अल्पविराम कार्यशाला का हुआ आयोजन

खरगोन

दिन भर में हमारे द्वारा किए गए कार्यों के बाद सुबह या शाम को कुछ देर शांत रहे और उनपर चिंतन करें। दिनभर में यदि किसी को मन वचन कर्म से ठेस पहुंचाई हो तो उनसे क्षमा मांग ले। इसी से हम तनाव मुक्त रह सकते हैं। यह बातें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भगवानपुरा श्री पवन शाह ने जनपद पंचायत सभागृह में राज्य आनंद संस्थान द्वारा 20 दिसंबर शुक्रवार को एक दिवसीय अल्प विराम कार्यशाला के समापन पर अपने उद्बोधन में यह बात कहीं। कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पंचायत विभाग, कृषि विभाग वन विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग के 60 अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए थे।

कार्यशाला का शुभारंभ मास्टर ट्रेनर नारायण फरकले ने एक सुंदर प्रार्थना के माध्यम से किया। मास्टर ट्रेनर गणेश कानडे ने प्रतिभागियों का परिचय लेते हुए राज्य आनंद संस्थान का परिचय रखा। मास्टर ट्रेनर नारायण फरकले ने जीवन का लेखा जोखा सत्र में मदद करने वालो के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें, कष्ट देने वालों के प्रति क्षमा का भाव रखें। निहाल सिंह मुजाल्दे ने सीसीडी सत्र लिया, उन्होंने अपने जीवन से जुड़े विचार रखे, बीच-बीच में मनोरंजक गतिविधियां कराई गई। इस अवसर पर भगवान यादव, रामलाल डावर, कल्पना राठौड़, कला यादव ने अपने विचार रखे। रमेश चक्रवर्ती,वमहक मुजाल्दे, आदि का सहयोग प्राप्त हुआ। समापन पर सभी को प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स सिव पेंशनर्स एसोसिएशन नर्स दिवस का आयोजन किया गया

धार

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रांतीय प्रतिनिधि कीर्ति कुमार शर्मा, अध्यक्षता दीपक सिसोदिया क्षेत्रीय प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक विशेष अतिथि, मानसिंह डाबर कोषालय अधिकारी धार, श्रीमती भगवती काग जिला पेंशन अधिकारी , भेरूसिंह बारोड़ प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं जिला संरक्षक , ए जे खान, संभागीय अध्यक्ष इंदौर , बबन अग्रवाल, के पी निगम प्रांतीय संरक्षक , श्रीमती गुरवंत कौरमहिला संयोजिका , श्रीमती प्रतिभा मिश्रा एस बी आई ,डी के उपाध्याय , शरतचंद्र निगम , वीरेंद्र एस्किया, एस के उपाध्याय के आतिथ्य में संपन्न हुआ । अतिथियों द्वारा माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सरस्वती वंदना गायन कैलाश बंसल द्वारा किया गया । सभी अतिथियों का स्वागत प्रमोद टोंगिया जिला अध्यक्ष द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन देते हुए पेंशनर्स संघ के उपयोगिता एवं महत्व पर प्रकाश डाला , साथ ही प्रदेश के जिलों से पेंशनर्स कार्यालय समाप्त कर भोपाल स्थांतरित किए जा रहे है इस पर सभी जिलों से आए जिला अध्यक्षों ने विरोध कर मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री , वितमंत्री महोदय से पेंशनर्स के हित मे निर्णय लिए जाने का अनुरोध किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष ओ पी बुधौलिया ने सभी पेंशनर्स साथियों को अपना संदेश फोन द्वारा माइक के माध्यम से देकर आगामी दिवसों में अपनी मांगो के समर्थन में जंगी आंदोलन के लिए तैयार रहने को कहा गया। जिसका सदन में उपस्थित सभी साथियों ने जोरदार नारे लगाकर अपनी सहमति दी। मोहन सिंह परिहार कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा संघ द्वारा किए जा रहे सामाजिक सरोकार एवम पेंशनर्स हित में किए जा रहे कार्यक्रमों के वार्षिक प्रतिवेदन का वाचन किया गया। वार्षिक आय व्यय पत्रक श्री के के वर्मा कोषाध्यक्ष द्वारा रखा गया प्रमुखअतिथियों द्वारा अपने विचार विस्तार पूर्वक रखें गए। कार्यक्रम में जिले के तहसील, विकास खंड शाखाओं के अध्यक्षों के अथक प्रयासों से पुरुष एवं महिला पेंशनर्स की सहभागिता रहीं । पेंशनर्स संघ की कार्यकारिणी, महिला पदाधिकारियों द्वारा सक्रिय सहयोग प्रदान किया इनके सयुंक्त प्रयासो से हजारों पेंशनरों ने पेंशनर्स दिवस कार्यक्रम मे सहभागिता की रतलाम,झाबुआ,जोबट पेटलावद, खरगोन सीतामऊ जिले के अध्यक्ष भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। गजेंद्र सिंह चौहान सचिव द्वारा 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके 54 वरिष्ठ सदस्यों की सूची का वाचन कर शाल श्रीफल माला से अतिथियों द्वारा उनका सम्मान किया गया । प्रमुख अतिथियों को भेंट स्वरूप स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम पश्चात सभी पेंशनरों ने सहभोज का भरपूर आनंद प्राप्त किया । कार्यक्रम का संचालन हरिहरदत्त शुक्ल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, जगदीशचंद्र शर्मा सह कोषाध्यक्ष, एवं आभार शैलेंद्र तिवारी महामंत्री द्वारा किया गया।

मंडल अध्यक्ष बका किया स्वागत

उज्जैन

भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान में हुए मंडल अध्यक्षों के निर्वाचन के बाद नागदा नगर के दोनों मंडल अध्यक्ष बिरला ग्राम मंडल अध्यक्ष प्रकाश जैन और मंडी मंडल अध्यक्ष विजय पटेल, खाचरोद उत्तर ग्रामीण मंडल धर्मेंद्र पाटीदार, नागदा नपा में पीडब्ल्यूडी सभापति सुभाष रावल का स्वागत किया गया ! मंडल अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद नागदा के दोनों मंडल अध्यक्ष का प्रथम बार आगमन हुआ था जिसपर सरपंच प्रतिनिधी सोनू नावटिया, बाबू सहारा, संतोष सरपंच के नेतृत्व में चापानेर, चापाखेड़ा, मौकडी आक्या जागीर चौराहे पर स्वागत किया गया इस दौरान उपस्थित थे !

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर किया गया योग एवं ध्यान

झाबुआ....

विभिन्न ग्रामों के सैकड़ो लोगों ने की हिस्सेदारी विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर आज अध्यक्ष भारतीय योग संघ मध्य प्रदेश एवं रीजनल फैसिलेटेटर हार्टफुलनेस मध्य प्रदेश के आह्वान एवं मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला झाबुआ जिला समन्वयक बी. एस.डामोर के नेतृत्व में संपूर्ण ब्लॉक में चयनित नवांकुर संस्थाओं द्वारा विभिन्न ग्रामों में योग एवं ध्यान कार्यक्रम आयोजित किए गए। उसी कड़ी में ब्लॉक झाबुआ सेक्टर कल्याणपुरा की नवांकुर संस्था संस्कृति युवा मंडल समिति द्वारा भगोर , कल्ली पूरा, मानपुरा एवं गोपालपुरा में लोगों के बीच ध्यान एवं योग करवाया गया। जिसमें बच्चों युवतियों एवं पुरुषों ने सहभागिता की। संस्था द्वारा विभिन्न चरणों में इसे करवाते हुए , ध्यान और योग से होने वाले फायदे बताए ओर स्वास्थ्य हेतु आवश्यक बताया गया। इससे पूर्व भी हार्ट फूल नेस केंद्र , कान्हा शांति वनम हैदराबाद द्वारा विभिन्न ग्रामों में ध्यान एवं योग कार्यक्रम आयोजित करवाया गया था जिसमें जन अभियान परिषद , झाबुआ ने सहभागिता की थी। आज पुनः कुछ गांव में इस कार्यक्रम को आयोजित करवाया गया । और लोगों को रोजाना ध्यान एवं योग करने हेतु प्रोत्साहित किया गया । इस कार्यक्रम में समिति से अर्चना बैरागी, राहुल नायक अर्वंतिका डोडिया, पिंकू पाल, राजेश बैरागी , मनसा बैरागी आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया।

पिथौरागढ़ में भूस्खलन से हाईवे बंद, वाहनों की लगी लंबी कतार

नेशनल डेस्क। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला क्षेत्र में क्रिसमस और नए साल के जश्न से पहले एक भीषण लैंडस्लाइड हुआ है। इस हादसे में धारचूला-तवाघाट हाईवे पूरी तरह से बंद हो गया है। लैंडस्लाइड शनिवार दोपहर करीब 11 बजे हुआ। भूस्खलन के कारण सड़क पर मलबा फैल गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) विनोद गोस्वामी ने बताया कि तवाघाट के पास अचानक भूस्खलन हुआ लेकिन इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। भूस्खलन का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें पहाड़ से बड़े-बड़े पत्थर गिरते हुए दिख रहे हैं और इलाके में धुएं का गुबार उठता हुआ नजर आता है।

लैंडस्लाइड का वीडियो वायरल

इस वायरल वीडियो में पहाड़ से मलबा गिरते हुए साफ नजर आ रहा है और धुंआ भी ऊँचा उठता दिखाई दे रहा है। सड़क बंद होने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं।

डीएम ने बताया कि धारचूला के एसडीएम को मौके पर भेजा गया है और मलबे को हटाने का काम जारी है।

नए साल के लिए पहाड़ों का आकर्षण

उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटन हमेशा से लोगों को आकर्षित करता रहा है खासकर नए साल के दौरान। हालांकि बारिश और भूस्खलन की वजह से कई बार यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसीलिए पहाड़ों पर जाने से पहले पर्यटकों को मौसम का पूर्वानुमान जरूर जान लेना चाहिए। बारिश और बर्फबारी की वजह से भूस्खलन का खतरा हमेशा बना रहता है।

55 लैंडस्लाइड जोन की पहचान

उत्तराखंड आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने चार धाम यात्रा मार्ग पर 55 लैंडस्लाइड जोन की पहचान की है जहां भूस्खलन का खतरा अधिक रहता है। इनमें पौड़ी जिले के पागलनाला, बिराही, जोशीमठ, देवप्रयाग, लामबगड़, पीपलकोटी, पातालगंगा, कौड़ियाला और तोता घाटी जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इस हादसे ने यह फिर से साबित किया है कि पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन का खतरा हमेशा बना रहता है और पर्यटकों को अपनी यात्रा की योजना बनाते वक्त इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

महाकालेश्वर मंदिर में दर्दनाक हादसा

आलू छीलने वाली मशीन में फंसा महिला का दुपट्टा, हुई मौत

नेशनल डेस्क: मध्यप्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के भोजन केंद्र में आलू छीलने वाली मशीन में दुपट्टा फंसने से एक महिला की शनिवार को मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उप-विभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) लक्ष्मी नारायण गर्ग ने मीडिया को बताया कि यह दुर्घटना सुबह मंदिर के अन्न क्षेत्र में हुई। उन्होंने कहा कि निजी सुरक्षा सेवा के कर्मचारियों और परिसर में मौजूद अन्य महिलाओं ने बताया कि रजनी खत्री (30) भोजनशाला (रसोई) में काम कर रही थी तभी उसका दुपट्टा आलू छीलने वाली मशीन में फंस गया। एसडीएम ने बताया कि दुपट्टा महिला के गले में फंस गया। उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एसडीएम ने कहा कि सरकार उसके परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। अन्न क्षेत्र महाकालेश्वर मंदिर से करीब 500 मीटर की दूरी पर है और यहां श्रद्धालुओं को भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

कुवैत के क्राउन प्रिंस भी रहे मौजूद

अरेबियन गल्फ कप के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि बने PM मोदी

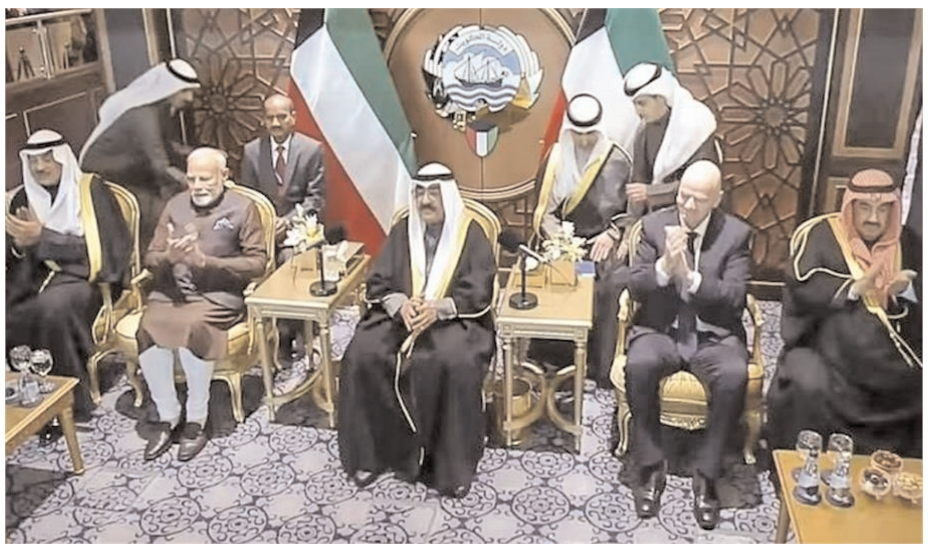

इंटरनेशनल डेस्क: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां जाबेर अल-अहमद अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में 26वें 'अरेबियन गल्फ कप के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मोदी शनिवार को दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत पहुंचे। मोदी कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के आमंत्रण पर कुवैत पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री कुवैत के अमीर, युवराज (क्राउन प्रिंस) और प्रधानमंत्री के साथ भव्य उद्घाटन समारोह में शामिल हुए।

विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस कार्यक्रम ने प्रधानमंत्री को कुवैत के नेतृत्व के साथ अनौपचारिक बातचीत करने का अवसर भी प्रदान किया। इससे पहले शहर के शेख साद अल-अब्दुल्ला इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक विशेष कार्यक्रम 'हला मोदी में भारतीय समुदाय के एक बड़े समूह को संबोधित करते हुए मोदी ने वैश्विक विकास में प्रवासी समुदाय के योगदान की प्रशंसा की और कहा कि भारत में विश्व की कौशल राजधानी बनने की क्षमता है। मोदी ने कहा, ''हर साल सैकड़ों भारतीय कुवैत आते हैं। आपने कुवैती समाज में भारतीय स्पर्श जोड़ा है। आपने कुवैत के कैनवास को भारतीय कौशल के रंगों से भर दिया है। आपने कुवैत में भारत की प्रतिभा, तकनीक और परंपरा का सार मिला दिया है। प्रधानमंत्री ने खाड़ी देश में देश के विभिन्न कोनों से आए भारतीयों की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे 'मिनी हिंदुस्तान कहा।

12वीं की छात्रा के साथ गैंगरेप

शादी में गया था परिवार, पड़ोस के 2 युवकों ने दिया घटना को अंजाम

नेशनल डेस्क: उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले के लम्भुआ थाना क्षेत्र के एक गांव में 12 वीं कक्षा की छात्रा के साथ कथित तौर पर गांव के ही दो युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। लम्भुआ थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अखण्डदेव मिश्र ने बताया कि घटना बृहस्?पतिवार देर रात हुई और मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पीड़िता का मेडिकल कराया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, बृहस्पतिवार देर रात हुई इस घटना के बाद शुक्रवार को पूरे दिन पीड़िता अचेत अवस्था में रही और शनिवार सुबह पीड़िता ने अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पीड़िता 12वीं कक्षा की छात्रा है और उसने गांव के ही दो युवकों के खिलाफ दुष्?कर्म का आरोप लगाया है।

पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक, बृहस्पतिवार को परिवार के लोग पड़ोस में एक समारोह में शामिल होने गए हुए थे। इस बीच रात करीब 10 बजे गांव के ही विकास यादव (19) व कल्लू मिश्र उर्फ श्याम जी (35) ने अकेली पाकर छात्रा से दुष्कर्म किया। इसमें आरोप लगाया गया है कि प्रतिरोध करने पर आरोपितों ने छात्रा को पीटा।

आरोप है कि दुष्कर्म की वीडियो भी आरोपियों ने बना ली। छात्रा का वीडियो प्रसारित करने व जान से मार डालने की धमकी भी दी गई है। पुलिस ने अभी छात्रा की उम्र नहीं बताई है। एसएचओ ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है और दोनों के गांव से भाग जाने की जानकारी मिली है।

ब्राजील हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ी अब तक 38 लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क। ब्राजील के मिनस गेरैस राज्य में शनिवार तड़के एक गंभीर हादसा हुआ जिसमें एक बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर रविवार सुबह 38 हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस का टायर अचानक फट गया था जिससे बस के चालक का नियंत्रण छूट गया और वह ट्रक से टकरा गया। यह हादसा स्टेट हाईवे पर हुआ जब बस साओ पाउलो से यात्रा पर रवाना हुई थी। बस में कुल 45 यात्री सवार थे जिनमें से 38 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। फिलहाल बचाव कार्यों के दौरान कई लोगों को घायल अवस्था में अस्पताल भेजा गया है। वहीं स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि हादसे की जांच की जा रही है और मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है क्योंकि कई घायल गंभीर हालत में हैं। यह हादसा ब्राजील के मिनस गेरैस राज्य के लिए एक बड़ा झटका है।

बांग्लादेश को लेकर बाइडेन प्रशासन की खतरनाक नीति

इंटरनेशनल डेस्क। अगस्त 2024 में शेख हसीना की सत्ता से जबरन विदाई के बाद, बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा, हत्या और गिरफ्तारी की घटनाएं तेज़ी से बढ़ी हैं। इस हिंसा का ताज़ा शिकार एक हिंदू साधु और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए आवाज़ उठाने वाले चिन्मय कृष्ण दास हैं। 25 नवंबर 2024 को ढाका एयरपोर्ट पर चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार किया गया। वह बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए प्रदर्शन कर रहे थे। उन पर राजद्रोह का आरोप लगाया गया, जिसमें कहा गया कि उन्होंने अक्टूबर 2024 में चटग्राम में एक रैली के दौरान बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया। 26 नवंबर को उन्हें चटग्राम की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद, बांग्लादेश में इस्लामिस्ट ताकतें और मज़बूत हो गई हैं। मोहम्मद यूनुस के अंतरिम सरकार का प्रमुख बनने के बाद, कई प्रतिबंधित जिहादी संगठनों को फिर से मान्यता दी गई और उनके नेताओं को जेल से रिहा कर दिया गया। यूनुस ने आतंकवादी संगठनों के नेताओं से मुलाकात की,

नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से भारत में रोजगार का बड़ा मौका

मिलेंगी 9.4 लाख नौकरियां

नेशनल डेस्क: सरकार के नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत शुरू किए गए 12 ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स से 9.4 लाख रोजगार के अवसर बनने की उम्मीद है। यह जानकारी उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी वर्ष-समाप्ति रिपोर्ट में दी गई। इन ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स के लिए ?28,602 करोड़ का निवेश किया जाएगा और यह प्रोजेक्ट्स 25,975 एकड़ भूमि** पर फैले होंगे। अगले पांच वर्षों में इनसे ?1.5 लाख करोड़ का निवेश आकर्षित होगा और 9.4 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। यह प्रोजेक्ट्स कम औद्योगिक विकास वाले क्षेत्रों में स्थापित किए जाएंगे ताकि नियोजित औद्योगिकीकरण और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिल सके। इन प्रोजेक्ट्स को ग्रामीण बदलाव और निवेश आकर्षित करने वाले केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

कौन-कौन से क्षेत्र शामिल?

इन प्रोजेक्ट्स में कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है, जैसे-

1. सेमीकंडक्टर्स
2. एयरोस्पेस और डिफेंस
3. आईटी और आईटीईएस
4. इलेक्ट्रॉनिक्स और सिस्टम डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग (श्वस्डरू)
5. इंजीनियरिंग और लॉजिस्टिक्स
6. ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स
7. नवीकरणीय ऊर्जा
8. फार्मास्युटिकल्स
9. टेक्सटाइल और गारमेंट
10. फूड और बेवरेज
11. केमिकल और मेटल्स
12. मशीनरी और उपकरण निर्माण

इंफ्रास्ट्रक्चर और योजना

इन प्रोजेक्ट्स के तहत औद्योगिक जरूरतों से पहले इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा ताकि निवेशकों को तुरंत भूमि आवंटित की जा सके। इंडस्ट्री 4.0 मानकों के तहत 12 नए औद्योगिक शहरों का भी विकास किया जाएगा। अब तक चार शहरों धोलेरा, शेंद्र बिडकिन, ग्रेटर नोएडा, और विक्रम उदयपुरी में 308 प्लॉट (1,789 एकड़ भूमि) आवंटित किए जा चुके हैं। इसके अलावा, 2,104 एकड़ विकसित औद्योगिक भूमि और 2,250 एकड़ वाणिज्यिक और आवासीय उपयोग के लिए** तैयार है। वर्तमान में, **68 कंपनियों ने व्यवसाय शुरू कर दिया है और 83 प्रोजेक्ट्स निर्माणाधीन हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569